Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 03 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 08 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा रूपी देवता की आराधना ही हमारे जीवन को सफलता देने वाला है।

Only worshiping deity of nonviolence is the key to success in our life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

आई.ए.एस. नीलेश क्षीरसागर कांकेर के नए कलेक्टर बनाए गए

रायपुर (आरएनएस)। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय नवा रायपुर से जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को आगामी आदेश तक जिला कलेक्टर कांकेर बनाया गया है। जारी आदेशानुसार नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर को जिला कांकेर का कलेक्टर बनाया गया है। इसी तरह अभिजीत सिंह आईएएस जिला कांकेर को अस्थाई रुपा से आगामी आदेश तक विशेष सचिव गृह एवं जेल विभाग, वासु जैन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सारंगढ़ जिला को अवर सचिव योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग पर पदस्थ किया गया है।

युवा कांग्रेस में हो सकता है बड़ा फेरबदल

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस में बड़े बदलाव हो सकता है इसकी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इस विषय पर जल्द ही प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक की जाएगी। इसके बाद पदाधिकारियों की चुनाव में सक्रियता और निष्क्रियता को देखते हुए उनके पद घटाए या बढ़ाए जा सकते हैं। दरअसल, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद युवा कांग्रेस की बड़ी बैठक होने वाली है। जिसमें कई बड़े पदाधिकारियों पर गाज गिर सकती है। युवा कांग्रेस विधानसभावार पदाधिकारियों के किए गए कामों की समीक्षा करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने का न्यौता दिया, नौ जून को शपथ ग्रहण समारोह

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने उन्हें नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

मुलाकात के उपरांत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को बताया है कि शपथ ग्रहण के लिए 9 जून की शाम को उन्हें सुविधा रहेगी, तब तक वह मंत्री परिषद की सूची राष्ट्रपति को सौंपेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह देशवासियों को विश्वास दिलाते हैं कि 18वीं लोकसभा में पांच वर्ष के कार्यकाल में वे उसी गति और समर्पण भाव से देश की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज सुबह एनडीए की बैठक हुई और सभी साथियों ने मुझे फिर से एक बार इस दायित्व के लिए पसंद किया है। एनडीए के सभी साथियों ने राष्ट्रपति को इसकी जानकारी दी है। राष्ट्रपति ने मुझे बुलाया था और मुझे प्रधानमंत्री मनोनीत के रूप में नियुक्ति दी है।

नरेंद्र मोदी 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। वह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

4 जून को आए लोकसभा चुनाव के नतीजे में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला है। एनडीए के सभी घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी में अपना पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें अपना नेता चुना और समर्थन पत्र दिए हैं।

राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। इन्हीं तैयारियों के मद्देनजर राष्ट्रपति भवन को 5 से 9 जून तक आमजनों के लिए बंद रखा गया है।

एनडीए नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर पेश किया सरकार बनाने का दावा

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के ऐलान के साथ ही सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) नेताओं का एक समूह, जिसमें अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे सहित 16 दलों के नेता शुमार थे, सरकार बनाने का प्रस्ताव लेकर शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के लिए पहुंचा. वहीं कुछ ही घंटों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। एनडीए नेताओं ने राष्ट्रपति से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

18वीं लोकसभा नई ऊर्जा से लैस, आने वाले 5 साल बेहद उपयोगी : मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद राष्ट्रपति भवन के बाहर मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने नई सरकार का रोडमैप साझा किया। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव अमृतकाल का पहला चुनाव है। मोदी ने कहा कि 2047 में जब देश आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा, उसके संकल्प पूरा करने के लिए हमारे पास स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने कहा कि देशवासियों ने एनडीए को एक बार फिर सेवा का मौका दिया है, इसके लिए वे जनता का आभार प्रकट करते हैं।

सरकार गठन का न्योता मिलने के बाद बोले राष्ट्रपति भवन के बाहर मीडिया कर्मियों को संबोधित किया प्रधानमंत्री ने

उन्होंने कहा कि जिस गति से देश आगे बढ़ा है, समाज के हर क्षेत्र में परिवर्तन साफ नजर आ रहा है। 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 18वीं लोकसभा में भी उसी गति और समर्पण भाव से देश की आशा-आकांक्षा को पूर्ण करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। निवर्तमान प्रधानमंत्री ने कहा, एनडीए की बैठक में सभी घटक दलों ने मुझे नेता चुना है। सभी दलों ने राष्ट्रपति को समर्थन के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति ने मुझे न्योता दिया और कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। मोदी ने बताया कि उन्होंने नौ जून की शाम को शपथ के बारे में सूचित कर दिया है। शपथ ग्रहण का विस्तृत कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन से जारी किया जाएगा। मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों के कार्यकाल में भारत, दुनिया के लिए विश्वबंधु बनकर उभरा है। इसका सबसे ज्यादा फायदा अब मिलना शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले 5 साल वैश्विक माहौल में भी भारत के लिए बहुत उपयोगी होने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में भी चला मुख्यमंत्री साय का जादू, लोग दे रहे हैं सुपर स्ट्राइकर सीएम की संज्ञा

रायपुर (आरएनएस)। देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में 10 सीटों सहित पूरे देश में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने 293 सीटों पर जीत हासिल की है। इसके साथ ओडिशा विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा ने बहुमत हासिल किया है, तो दूसरी ओर आंध्रप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल हुई है। छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश और ओडिशा में भाजपा की प्रचंड जीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अहम योगदान रहा। उन्होंने जहां-जहां सभाएं की वहां अधिकतर जगहों में भाजपा का परचम लहराया। साय का छत्तीसगढ़ में 91 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत और ओडिशा में 86 प्रतिशत सक्सेस स्ट्राइक रेट रहा। इसलिए लोग अब विष्णु देव साय को सुपर स्ट्राइकर सीएम की संज्ञा दे रहे हैं।

यह जीत संगठन की मेहनत और जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल है : साय

मेहनत का कोई विकल्प नहीं का सूत्र वाक्य अंगीकार कर चुनावी महासमर में सफलता के नए आयाम तक पहुंचने वाले सीएम साय इसका श्रेय संगठन के कार्यकर्ताओं और जनता को देते हैं। उनका कहना है कि भीषण गर्मी की परवाह न कर कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की। संगठन के हर नेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, जिसका नतीजा सामने है। वह यह नहीं बताते कि पूरे चुनावी यात्रा में उसी भीषण गर्मी से उन्हें भी दो-चार होना पड़ा। अपनी मेहनत पर उन्हें चर्चा पसंद नहीं वे इसे अपना कर्तव्य मानते हैं। जनता से मिले आशीर्वाद को सिर झुका कर स्वीकार करने वाले सीएम साय की यही नम्रता और सरलता उनके सियासी कद को बड़ा बनाती है।

छत्तीसगढ़ में 91 प्रतिशत रहा सक्सेस स्ट्राइक रेट : छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों में श्री साय ने कुल 64 जनसभाएं एवं रोड शो की। जहाँ उन्होंने बस्तर लोकसभा में 7 जनसभा और रोड शो किया। दूसरे चरण के अंतर्गत कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद में कुल 15 जनसभाएं की। इन चारों लोकसभा सीटों में भाजपा ने जीत दर्ज की। तीसरे चरण की बची हुई 7 सीटों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, सरगुजा और कोरबा में सीएम साय ने कुल 42 जनसभाएं की। जिसमें कोरबा लोकसभा में मामूली अंतर से हुई हार को छोड़ दें तो ग्यारह में से 10 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की और अपना परचम लहराया। अगर इसका विजयी प्रतिशत निकालें तो मुख्यमंत्री साय की सभाओं का सक्सेस रेट 91 प्रतिशत रहा।

ओडिशा के 86 प्रतिशत सक्सेस स्ट्राइक रेट ने बढ़ाया सीएम साय का सियासी कद : सीएम साय ने ओडिशा में भी जमकर पसीना बहाया। यहाँ सात लोकसभा सीटों में उन्होंने तूफानी जनसभाएं ली और भाजपा को 6 लोकसभा सीट बरगढ़, बलांगीर, कालाहांडी, नबरंगपुर, संबलपुर और सुंदरगढ़ सीटें जिताकर दी। विधानसभा स्तर पर भी यदि देखें तो यहाँ झारसुगुड़ा, कोटपाड़, उमरकोट, कोरापुट, तलसरा, बीजेपुर, बीरमहाराजपुर और कुचिंदा सीट को मिलाकर कुल आठ विधायक भी जिताने में वो कामयाब रहे। यहाँ लोकसभा चुनाव में उनका सक्सेस स्ट्राइक रेट 86 प्रतिशत रहा।

मध्यप्रदेश में 100 प्रतिशत रहा सक्सेस स्ट्राइक रेट : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में भी 8 जनसभाएं की। जिसमें कुल चार लोकसभा सीट खजुराहो, शहडोल, मंडला, सीधी में उन्होंने मोर्चा संभाला। इन चारों सीटों पर भी भाजपा ने बम्पर मतों से जीत हासिल की है। इसमें मुख्यमंत्री की सभाओं का सक्सेस रेट देखें तो पूरे सौ प्रतिशत का सक्सेस रेट है।

विष्णु ने जिम्मेदारियों का किया निष्ठा पूर्वक निर्वहन : केंद्रीय भाजपा द्वारा मिली जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए विष्णु देव साय छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्यप्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत में अहम किरदार साबित हुए और मोदी जी की रणनीति को सफल बनाने में कामयाब हुए। इससे उनके सियासी कद में वृद्धि हुई, इसमें कोई संदेह नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनडीए की बैठक में संविधान को माथे से लगाया

संविधान के प्रति मन में सम्मान देख सब रह गए हैरान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र में नई सरकार के गठन से पहले संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही एनडीए गठबंधन के सभी दलों के नेता पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में पहुंचे तो यहां का नजारा ही अलग था। नरेंद्र मोदी की लगातार तीसरी जीत पक्की हुई है और एनडीए गठबंधन ने लगातार तीसरी इतनी बड़ी बहुमत प्राप्त की है।

इस बार भी जब पीएम मोदी इस जीत के बाद पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में बैठक के लिए पहुंचे तो उन्होंने भारत के संविधान को अपने माथे से लगा लिया। उन्होंने झुककर और सम्मान पूर्वक संविधान को अपने माथे से लगाया।

ऐसा नहीं है कि पीएम मोदी ने ऐसा पहली बार किया है। 2014 में, संसद भवन के मुख्य द्वार पर भाजपा संसदीय दल की बैठक के लिए पहुंचने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के प्रवेश द्वार पर हाथ जोड़कर भूमि को स्पर्श किया था।

2014 में भाजपा नीत एनडीए को जीत दिलाने के बाद पहली बार संसद में प्रवेश करते समय उन्होंने %लोकतंत्र के मंदिर के प्रति अपना गहरा सम्मान दिखाने के लिए घुटने वहां की सीढ़ियों पर टेक दिए थे, हाथ जोड़े थे और सीढ़ियों पर अपना माथा लगाकर उसे प्रणाम किया था। तब बीजेपी ने अपने दम पर 282 सीटें जीतीं और एनडीए गठबंधन के साथ मिलकर 336 सीटें हासिल की थी।

इसके बाद 2019 में, आम चुनावों में बीजेपी को दूसरी बार जनादेश हासिल हुआ। इसके साथ ही एनडीए और बीजेपी संसदीय दल के नेता के रूप में चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झुके और सम्मानपूर्वक भारत के संविधान को अपने माथे से लगा लिया था।

मुठभेड़ में 4 नक्सलियों की मौत, 3 जवान घायल

नारायणपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर पुलिस मुठभेड़ की बड़ी खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि, मुठभेड़ में 3 जवान घायल हो गए हैं वहीं 4 वर्दीधारी नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ गोवेल के जंगलों में होना बताया जा रहा है। इस मुठभेड़ में चार नक्सलियों के मारे जाने और उनके शव शव जवानों द्वारा बरामद कर लिए जाने की खबर है। फिलहाल इलाके की सर्चिंग चल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, जगदलपुर की डीआरजी एवं 45वीं वाहिनी आईटीबीपी बल द्वारा जिले में संयुक्त सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। 6 जून से शुरू हुए इस अभियान में 7 जून को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर दंतेवाड़ा के सीमावर्ती इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए हैं। साथ ही बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की भी सूचना है। पुलिस ने बताया कि अभी तक चार सशस्त्र नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। पूर्व बस्तर डिविजन के अंतर्गत ग्राम मुंगेडी, गोबेल क्षेत्र में सुरक्षाबलों द्वार नक्सलियों के विरूद्ध अंतर्जिला संयुक्त ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस दौरान नारायणपुर दंतेवाड़ा के सीमावर्ती गोवेल के जंगल में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की भी सूचना है।

प्रियंका ने नीट के रिजल्ट में अनियमितता का लगाया आरोप, जांच की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को नीट 2024 के रिजल्ट में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जायज शिकायतों के समाधान के लिए जांच की मांग की।

एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, पहले, नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया, और अब छात्र रिजल्ट में घोटाले का आरोप लगा रहे हैं। एक ही केंद्र के छह छात्रों के 720 में से पूरे 720 नंबर आने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, और कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं।

रिजल्ट आने के बाद बड़ी संख्या में छात्रों की आत्महत्या की बात सामने आने पर कांग्रेस नेता ने दु:ख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, रिजल्ट की घोषणा के बाद देश भर से कई छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आ रही हैं। यह काफी दु:खद और झकझोर देने वाला है। प्रियंका ने प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में समुचित कार्रवाई न करने पर प्रशासन की भी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया, सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? छात्र नीट परीक्षा के रिजल्ट में धांधली से जुड़े जायज सवालों के जवाब चाहते हैं। क्या इन जायज शिकायतों की जांच और उनका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद कई परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने अनियमितता के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। वे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि एक ही केंद्र के छह छात्रों समेत 67 छात्र कैसे टॉप कर गये। एनटीए ने आरोपों को खारिज करते हुए ज्यादा स्कोरिंग के लिए एनसीईआरटी के टेक्स्ट बुक में बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर बर्बाद हुए समय के लिए ग्रेस मार्क्स के प्रावधान को जिम्मेदार ठहराया है।

राहुल गांधी को मानहानि मामले में बेंगलुरु की विशेष कोर्ट से मिली जमानत

बेंगलुरु (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर्नाटक भाजपा के मानहानि मामले में शुक्रवार को विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए। यहां कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। डीके सुरेश की सुरक्षा के आधार पर राहुल गांधी को जमानत दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

दरअसल, राहुल पर समाचार पत्रों में मानहानिकारक विज्ञापन जारी करने का आरोप है। पिछले साल विस चुनावों से पहले दिए गए विज्ञापन में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था।

ताजा मामले के अनुसार, पिछले साल कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हुए थे। इस दौरान कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था। जिसके बाद कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ मानहानि मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि कांग्रेस के इन नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ मुख्य समाचार पत्रों में झूठे विज्ञापन दिये। सभी लोक निर्माण कार्यों में 40 फीसदी कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने भ्रष्टाचार रेट कार्ड भी प्रकाशित कराया। वहीं, राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर भी अपमानजनक विज्ञापन पोस्ट किया। विशेष अदालत ने इस मामले में एक जून को सिद्धारमैया और शिवकुमार को जमानत दे दी थी।

इससे पहले, 23 मार्च 2023 को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। उन्हें मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के कारण सजा सुनाई गई थी। अगले ही दिन 24 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता जाने का आदेश जारी कर दिया। नियम के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। राहुल के साथ भी ऐसा ही हुआ। हालांकि, बाद में राहुल को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई। अदालत ने उनकी सजा पर रोक लगा दी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 22 अप्रैल को अपना आधिकारिक बंगला खाली कर दिया। कहा कि यह सच बोलने के लिए चुकाई गई कीमत है।

जशपुर में बार-बार आंधी तूफान, आपूर्ति बहाली में जी-जान से जुटे और जीते विद्युतकर्मी जवान

जशपुर (विश्व परिवार)। जशपुर जिले में बार-बार आंधी-तूफान की वजह से विद्युत व्यवस्था को बनाएं रखना तथा विद्युत आपूर्ति को निरंतर जारी रखना एक चुनौती बन गई है। 5 जून को एक बार फिर तेज आंधी तूफान ने जनहित सेवाओ में महत्वपूर्ण विद्युत व्यवस्था को कुछ देर के लिए ठप्प कर दिया था। हवा के वेग से बिजली के खंभे सहित वितरण तंत्र में ब्रेक-डाउन का गहरा असर हुआ था। इस व्यवधान को दूर करने विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी पूरी ताकत झांक डाली जिससे विषम परिस्थिति में भी विद्युत व्यवस्था बहाल हो गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा जनहित के सेवाओं में पूरी निष्ठा एवं तत्परता के साथ काम करने के निर्देश हैं, जिसके परिपालन में विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद तथा प्रबंध निदेशक (पारेषण एवं वितरण) श्री राजेश कुमार शुक्ला ने मैदानी अमले को सजगता एवं तत्परता से काम करने का विशेष हिदायतें दी है। 05 जून को जशपुर जिले में तेज आंधी तूफान के कारण 33 के.व्ही. के 03 फीडर तथा 11 के.व्ही. के 24 फीडर ब्रेकडाउन हो गए थे। विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा 33 के.व्ही. के तीनों ठप्प हो गए। फीडरां के ब्रेकडाउन को ठीक कर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई तथा 11 के.व्ही. के 24 में से 19 फीडरों को रात में चालू कर दिया गया तथा हवा के वेग से कई जगहो पर पेड़ खंभां एवं तारों में गिर जाने से खंभे एवं तार टूट गए, जिस कारण शेष 05 फीडरों को रात हो जाने से चालू नहीं किया जा सका। शेष 05 फीडरां को अगले सुबह ठीक कर विद्युत व्यवस्था का संचालन सूचारू रूप से कर दिया गया। इसी प्रकार कुनकुरी, जशपुर एवं पत्थलगांव में ट्रांसफार्मर डी.ओ. उड़ने की 24 तथा फ्यूज ऑफ कॉल की 42 शिकायतें प्राप्त हुई जिसका निराकरण कर दिया गया।

जशपुर जिले के कुनकुरी में बार आंधी तूफान का केन्द्र बना हुआ है, 2 जून एवं 3 जून को भी तेज आंधी तूफान और गरज चमक के साथ बारिश हुई थी, जिससे विद्युत पारेषण एवं वितरण के तंत्र खुले में रहने के कारण प्रभावित हुए थे, जिसे विद्युत अमले के द्वारा सुधार कर सुचारू रूप से पुन: संचालन कर दिया गया। मौसम के प्रभाव को देखते हुए जशपुर जिले में विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने मुख्य अभियंता, एवं अधीक्षण अभियंता, अम्बिकापुर के द्वारा बगीचा, कुनकुरी, तपकरा, नारायणपुर एवं फरसाबहार का दौरा किया तथा स्थिति को देखते हुए मुख्य अभियंता, अम्बिकापुर के द्वारा 05 सहायक अभियंताओं की 04 जून से 08 जून तक अस्थाई रूप से आपात स्थिति के प्रबंधन हेतु ड्यूटी लगाई गई। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं प्रदेश उर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के आध्यक्ष श्री पी. दयानंद द्वारा लगातार मुख्यालय स्तर पर मॉनीटरिंग की जा रही है। विद्युत कंपनी द्वारा भी जनता से अपील है कि आपदा से निपटने तथा विद्युत आपूर्ति सामान्य करने में विद्युत कर्मियों को सहयोग प्रदान करें। बिजली के करंट से जनहानि बचाने के लिए ऑटोमेटिक ट्रिपिंग की भी होती है. इसलिए ऐसे समय में विद्युत उपभोक्ताओं का धैर्य ही सुधार कार्य करने वालों का संबल होता है।

लेखा प्रशिक्षण परीक्षा नवम्बर-2023 से फरवरी-2024 का परीक्षाफल जारी, परीक्षा फल 64.63 प्रतिशत रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत शासकीय सेवकों के लिए लेखा प्रशिक्षण परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष 03 सत्रों (मार्च-जून, जुलाई-अक्टूबर, नवम्बर-फरवरी) में संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ द्वारा किया जाता है। इस प्रशिक्षण में राज्य शासन के आधीन कार्यरत सहायक ग्रेड वर्ग-3, अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होंने तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली वे प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु संबंधित कार्यालय द्वारा नामांकित किए जाते है। लेखा प्रशिक्षण परीक्षा में प्रथम प्रयास में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को एक अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ प्रदाय किया जाता है। संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन द्वारा प्रशिक्षण सत्र नवम्बर-2023 से फरवरी-2024 का परीक्षा परिणाम 06 जून 2024 को घोषित किया गया है। संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन श्री महादेव कावरे ने बताया कि उक्त सत्र में कुल 246 परीक्षार्थियों में से 159 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए है। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का प्रतिशत 64.63 प्रतिशत रहा। 81 परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए है।

एक रोमांचक अनुभव के लिए हो जाइए तैयार, 'तेजस' के साथ देशभक्ति का जज़्बा लेकर आ रहा है एंड पिक्चर्स

एंड पिक्चर्स जो फुल-ऑन ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए आपका वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है, रविवार, 9 जून को सुबह 11:30 बजे 'तेजस' के चैनल प्रीमियर के साथ बहादुरी और हौसले का जज़्बा लेकर आ रहा है। बेमिसाल एक्ट्रेस कंगना रणावत द्वारा चित्रित तेजस, देश के सम्मान और सुरक्षा की रक्षा के लिए उड़ान भरती है। सर्वेश मेवाड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कंगना के अलावा अंशुल चौहान, वरुण मित्रा, आशीष विद्यार्थी और विशाक नायर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह रोमांचकारी कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक खतरनाक मिशन पर निकली एक बहादुर एयरफोर्स पायलट का सफर दिखाती है।

इस मनोरंजक कहानी के केंद्र में तेजस के अटूट इरादे हैं, जिसमें साहस और संकल्प समाया है। आसमान में अपने साहसिक युद्धाभ्यास से लेकर अपने भयावह अतीत का सामना करने तक, तेजस भारत के सशस्त्र बलों के अटूट हौसले का प्रतीक है। शानदार हवाई दृश्यों, धड़कनें बढ़ाने वाले एक्शन और दमदार डायलॉग्स के साथ, 'तेजस' देशभक्ति और रोमांच की एक रोलरकोस्टर सवारी का वादा करती है जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगी।

तेजस को लेकर अपना उत्साह जताते हुए कंगना रणावत ने कहा, तेजस मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और मैं एंड पिक्चर्स के जरिए इसकी साहसी कहानी को टेलीविजन स्क्रीन पर लाने के लिए रोमांचित हूं। तेजस जैसे निडर और देशभक्त किरदार को निभाना सम्मान की बात है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इस सफर में उतना ही मजा आएगा जितना मज़ा हमें इसे जीवंत करने में आया। निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा ने कहा, तेजस पर काम करना एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। एक बहादुर एयरफोर्स पायलट का सफर दिखाना एक चुनौती और सम्मान दोनों रहा है। अपने काम के प्रति कंगना का समर्पण और तेजस के किरदार को बखूबी निभाने की उनकी कला ने पूरे प्रोडक्शन को वाकई ऊंचा उठा दिया। ऐसी कहानियां बताना जरूरी है जो हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण को दर्शाती हों, जो हमें हमारे देश की सुरक्षा के लिए उनके बलिदान की याद दिलाती हों। मैं फिल्म की पूरी पोस्ट-प्रोडक्शन टीम को उनकी लगन के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे उस पल का बेसब्री से इंतजार है जब सभी एंड पिक्चर्स पर ये फिल्म देखेंगे।

रायपुर की श्रीमती दीप्ति मिराणी ने 'मिसेज राइजिंग स्टार' का खिताब जीता

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर निवासी श्रीमती दीप्ति मिराणी (ज़ोनल प्रेसिडेंट श्री लोहाणा महापरिषद यूथ विंग) मिसेज वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिसका फाइनल 1 जून 2024 को आयोजित किया गया था उसमें उन्होंने निर्णायक मंडल द्वारा चयनित 'मिसेज राइजिंग स्टार' का खिताब जीता। निर्णायक मंडल में फिल्म अभिनेत्री मीनाकाही शहादरी, टेलीविजन अभिनेत्री लता सबरवाल, बॉलीवुड के फैशन कोरियोग्राफर श्री शी लोबो, सेलिब्रिटी ज्वेलरी डिजाइनर श्री आकाश अग्रवाल सहित अन्य पिछले वर्षों के खिताब धारक शामिल थेज उन्हें खिताब जीतने के लिए प्रेरित करने वाले विभिन्न कार्य टैलेंट राउंड थे - इस राउंड में समय सीमा 60 सेकंड थी और इस समय सीमा में श्रीमती दीप्ति ने एक अभिनय किया जिसमें उन्होंने आज तक की अपनी जीवन यात्रा को दर्शाया और उसके बाद जजों ने तालियों और प्रशंसा की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया, निर्णय के अन्य राउंड टास्क राउंड, तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, सामाजिककरण, सीखना और समझना, शूट और पोज़ और परिचय थेज। जब श्रीमती दीप्ति से अपना परिचय देने के लिए कहा गया, तो जिस परिचय के कारण उन्हें यह खिताब जीतने में मदद मिली, वह था- एक महिला को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हम सभी जानते हैं कि वह दैनिक आधार पर कई भूमिकाएँ निभाती है जो उसे एक मजबूत व्यक्ति बनाती है... मैं दीप्ति मीरानी पहले एक गृहिणी हूँ और फिर एक उद्यमी और एक सामाजिक कार्यकर्ता हूँ... मेरा दृढ़ विश्वास है कि हर महिला को हमेशा अपने सपनों को एक कोशिश देनी चाहिए... कोशिश करते समय असफलता जैसी कोई बात नहीं होती, हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है।

स्कूली बसों की जांची गई फिटनेस, 86 बसें अनफिट

रायपुर (विसं)। आगामी दिनों में जल्द स्कूलों में कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। बच्चों का स्कूलों में बसों के माध्यम से आना-जाना शुरू हो जाएगा। ऐसे में स्कूली बसों का फिटनेस दूरूस्त रहें जिससे दुर्घटना से बचाव हो, इसके लिए परिवहन आयुक्त, अपर परिवहन आयुक्त के निर्देश पर और वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री आशीष देवांगन के मार्गदर्शन में पुराना बस स्टैण्ड पंडरी में जांच शिविर लगाई गई। यह शिविर 18 मई, 25 मई, 29 मई और 01 जून को लगाई गई। शिविर में 516 बसें जांच के लिए आई जिसमें 86 बसों में खामियां पाई गई। जिसके लिए संबंधित संस्था प्रबंधकों को जल्द कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए। आशीष देवांगन ने बताया कि इन स्कूली बसों में सभी वाहनों के दस्तावेजों, माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्कूल बसों के लिए दिये गये दिशा-निर्देशों के पालन तथा मैकनिकल जांच किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस संख्या: Sr.DEE-G-R-OTP-24-25-09 दिनांक: 21.05.2024
कार्य: विद्युत (सा) कार्य के शेष काम का हिस्सा (1) दल्ली-राजहरा - रावघाट नई ब्रॉड गेज लाइन परियोजना के संबंध में भानुप्रतापपुर में आरपीएफ बैरक का निर्माण। (2) द.पू.म. रेलवे के रायपुर डिवीजन के भिलाई/टीएसएस में नए नियंत्रण कक्ष का निर्माण।
निविदा मूल्य: ₹ 32,34,679/-, **बयाना राशि:** ₹ 64,700/-, **निविदा जमा करना:** दिनांक **21.06.2024** के **11:30** बजे तक।
निविदा दस्तावेजों की अधिक जानकारी/खरीद, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया सीनियर डीईई/जी/आर के कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों को देखें / डाउनलोड करें। इन निविदाओं के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (RS&G),
PR/R/SR.DEE(G)/FL/41 द.पू.म.रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./11914/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 07-06-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11914
वार्ड का नाम- 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220F00352** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DHEERAJ NAKHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. JAGURAM NAKHWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री रवि डेवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री घनश्यामदास देवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर
जोन क्रमांक 07
निविदा आमंत्रण सूचना
प्रथम निविदा

क्रमांक 02/जोन क. 07/ न.पा.नि/2024 — रायपुर दिनांक 07/06/2024

नगर पालिक निगम, रामपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीकृत ठेकेदारी से कम/अधिक प्रतिशत दर में श्री.नि.वि. में प्रभावशील (भवन सड़क) (**SOR** 01-01-2015) लो.स्वा.यां. विभाग, मे प्रभावशील (**SOR** 07.02.2013) एवं (**SOR** 01.06.2020) एवं आज दिनांक तक संशोधित दर अनुसार निर्धारित विहित प्रपत्र में पंजीकृत हाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पश्चती से नियमानुसार सीलबंद निविदाएं जोन आयुक्त, जोन क्रमांक 07, नगर पालिका निगम, रायपुर के पते पर आमंत्रित की जाती है। कार्य की अमानत राशि का एफ.डी.आर. आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से मान्य होगा एवं मूल एफ.डी.आर. एवं शपथ पत्र के साथ एक छायाप्रति भी संलग्न करें। निविदा का विवरण निम्नानुसार है।

01. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि — दिनांक 28/06/2024 — संध्या 5.30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि — दिनांक 03/07/2024 — संध्या 5.00 बजे तक ।
03. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि — दिनांक 03/07/2024 — संख्या 5.30 बजे तक ।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र	कार्य का विवरण	निविदा फार्म	आगणित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
1		3	4	5	6	7	8
1	अधोसंरखना मद से मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्र.23 अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना कॉलोनी में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	A	1500000	11500	750		90 दिन
2	अधोसंरचना मद से मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्र.23 अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना कॉलोनी में आदर्श आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य।	A	1500000	11500	750		90 दिन
3	अधोसंरचना मद से सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.24 अंतर्गत गोकुल नगर में सामुदायिक भवन निर्माण	A	1000000	7500	750		90 दिन
4	अधोसंरचना मद से सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.24 अंतर्गत कर्मा चौक मिडिल स्कूल के उपर अतिरिक्त कक्ष निर्माण	A	1000000	7500	750		90 दिन
5	अधोसंरचना मद से सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क.24 अंतर्गत वार्ड स्थित तालाब में टीन शेड निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750	लो.नि.वि. में एकत पद्धती से 'डी' श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फर्म	90 दिन
6	अधोसंरचना मद से सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.24 अंतर्गत गोकुल नगर में कबीर चौक में टीन शेड निर्माण कार्य	A	1000000	7500	750		90 दिन
7	अधोसंरचना मद से सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.24 अंतर्गत शीतला पारा नेहरू 1 चौक में स्थित भवन के उपर अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
8	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 मेनरोड में निर्मित भवन के उपर अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
9	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 छोटा रामनगर हनुमान मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	A	500000	5000	750		90 दिन
10	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 विनायक चौक से डोमा बाबा तक नाली निर्माण कार्य।	A	500000	5000	750		90 दिन
11	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 कृष्णा नगर मेनरोड स्थित आंगनबाडी से लगा रिक्त स्थान पर भवन निर्माण ।	A	1000000	7500	750		90 दिन
12	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 कलिंग नगर एफ.सी.आई. गेट से बनसोड़ डॉक्टर के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
13	अधोसंरचना मद से संत रामदास वार्ड क्र. 25 रामनगर गली नं. 1 से पुलिस चौक एवं धोबीगली तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	A	1500000	11500	750		90 दिन
14	अधोसंरचना मद से तात्यापारा वार्ड क्र.37 अंतर्गत हनुमान मंदिर के बाजू मंच शेड में स्लैब निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
15	अधोसंरचना मद से तात्यापारा वार्ड क्र.37 अंतर्गत हांडीपारा में नाली के उपर लोहे की जाली लगाने का कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
16	अधोसंरचना मद से तात्यापारा वार्ड क्र.37 अंतर्गत हांडीपारा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
17	अधोसंरचना मद से तात्यापारा बोर्ड क्र.37 अंतर्गत निगम कॉलोनी शिवनगर नाले के भार सी.ली.लेटर कव्हर	A	1000000	7500	750		90 दिन
18	अधोसंरचना मद से शहीद चुडामणी नायक बार्ड क्र.38 अंतर्गत आमतालाब उद्यान में ओपन जिम।	A	500000	5000	750		90 दिन
19	अधोसंरचना मद से शहीद चुडामणी नायक वार्ड क.38 अंतर्गत आमातालाब हमर क्लीनिक के पास मुंडन चबुतरा निर्माण कार्य।	A	500000	5000	750		90 दिन
20	अधोसंरचना मद से शहीद चुडामणी नायक वार्ड क्र.38 अंतर्गत रामकुण्ड सांई मंदिर के पास सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	A	500000	5000	750	तो.नि.वि. में एकल पण्दती से 'डी' श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म	90 दिन
21	अधोसंरचना मद से शहीद चुडामणी नायक वार्ड क. 38 अंतर्गत आदिशक्ति सामुदायिक भवन में शौचालय निर्माण कार्य।	A	3000000	3000	750		90 दिन
22	अधोसंरचना मद से शहीद चुडामणी नायक वार्ड क.38 अंतर्गत भीमनगर सामुदायिक भवन में मरम्मत कार्य।	A	500000	5000	750		90 दिन
23	अधोसंरचना मद से स्वामी आत्मानंद वार्ड क्र.39 अंतर्गत मीरा वातार के सामने रामा हरपाल के घर के पास आदर्श आंगनबाडी भवन निर्माण कार्य।	A	20000000	15000	750		90 दिन
24	अधोसंरचना मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क.22 अंतर्गत डूमर तालाब क्षेत्र में आदर्श आंगनबाडी भवन निर्माण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
25	अधोसंरचना मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्र.22 अंतर्गत डूमर तालाब क्षेत्र में मूवितथाम उन्नयन कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
26	अधोसंरचना मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क.22 अंतर्गत डूमर तालाब में सामुदायिक भवन का सौन्दर्यीकरण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन
27	अधोसंरचना मद से पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्र.22 अंतर्गत आमानाका सामुदायिक भवन का सौन्दर्यीकरण कार्य।	A	1000000	7500	750		90 दिन

नियम एवं शर्तें (भाग 1)
01. निधिया संबंधित, समस्त दस्जावेज तीन लिफाफा पद्धति पर आमंत्रित होकर तद्अनुसार ही प्रस्तुत की जानी होगी। प्रथम लिफाफा में राष्ट्रियकृत बैंक की ई.एम.डी./एफ.डी.आर. शपथ पत्र/एवं समस्त दस्तावेजे, दुसरे लिफाफे में सिर्फ निविदा प्रपत्र सील बंद कर दोनो लिफाफों को तीसरे लिफाफे में सील बंद कर निविदा रजिस्टेण्ड / स्पीड पोस्ट द्वारा निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत कर्जना होगा। 02. निविदा संबंधी समस्त अर्थिकार आयुक्त नगर पालिक निगम को होगा। विस्तृत जानकारी जोन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 03. जीवित पंजीयत होना अनिवार्य है। 04 **GST** 05. **GST RI. last** 3**month** 6. **ITR last** 3 **years** 7. **Bank Solvency Certificate** 08. **Pan card** संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा ।

नियम एवं शर्तें (भाग 2)
1 नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म हेतु **GST Reg**. तिथि के अनुसार **GST Return last Month** का देना होगा ।
2 नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म पंजीयन तिथि के अनुसार **IT.R**. एक साल का मान्य होगा
3 निविदा फोर्म कार्यलय से उपलब्ध होगी। शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेगी ।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 07
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी **डुमरतराई फेस-01,** जिला- रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत **एम.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-199 ब्लॉक-09 द्वितीय तल श्रीमती गीता जोतवानी पति श्री नारायण दास जोतवानी,** निवासी- बी-2, सिल्वर स्प्रींग खुशी अपार्टमेंट के पास, गायत्री नगर, रायपुर जिला-रायपुर (छ.ग.) को इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक- **2724** दिनांक **07.04.2012** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। मूल आबंटी **श्रीमती गीता जोतवानी पति श्री नारायण दास जोतवानी** पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक **17.06.2014** को लीजडीड निष्पादित करा लिया गया है। मूल आबंटी हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त फ्लैट को **क्रेता- श्रीमती मालती बाई पति श्री पुनित राम,** पता- एम.आई.जी.-199 ब्लॉक-09, द्वितीय तल हिमालयन हाईटस डुमरतराई रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक **20.08.2018** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेता- श्रीमती मालती बाई पति श्री पुनित राम,** द्वारा उक्त फ्लैट को **फ्री-होल्ड** पश्चात् अपने ना पर **नाम दर्ज** किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन/ फ्लैट का **फ्री-होल्ड उपरांत नाम दर्ज किये जाने में** किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **सड्डू** रायपुर में स्थित **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-1450 श्री अरविंद फ्रेंकलिन पिता श्री अब्राहम फ्रेंकलिन** के नाम से नामांतरित है, नामांतरी द्वारा उक्त भवन की **विक्रय विलेख** दिनांक **19/06/2013** पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में नामांतरी **श्री अरविंद फ्रेंकलिन पिता श्री अब्राहम फ्रेंकलिन,** निवासी- एल.आई.जी.-1450, सेक्टर-08, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सड्डू, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता (1) श्री तेजकरण बांधे पिता भैया राम बांधे एवं (2) श्री देशमुख बांधे पिता श्री भैया राम बांधे** दोनों निवासी- ग्राम कोड़ापार, पो. अमसेना, तहसील आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.) को **विक्रय** करने के लिए इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के **विक्रय के संबंध में** किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, तहसील धरसींवा, जिला- रायपुर (छत्तीसगढ़)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./ /ब/121/वर्ष 2023-24
धरसींवा, दिनांक 07/06/2024
ग्राम बिरगांव, प0ह0नं0 88
रा.नि.मं. रायपुर-17 बिरगांव
तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका **उमादेवी पति सुधीर मिश्रा,** निवासी- ग्राम रावांभाठा, तहसील धरसींवा, जिला- रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम बीरगांव प.ह.नं. 88 रा.नि.मं. रायपुर-17 बिरगांव, तहसीलय धरसीवा, जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 16/90 रकबा 0.0060 हे. भूमि **उमा देवी पति सुधीर मिश्रा के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है।** आवेदक द्वारा आवेदित भूमि का ऋण पुस्तिका प्राप्त हुआ था जो कहीं गुम हो गया है। आवेदिका द्वारा आवेदित भूमि का नया ऋण पुस्तिका जारी किये जाने का निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नया ऋण पुस्तिका बाबत् प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक **24/06/2024** तक स्वत: अथवा वैद्य प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

अत: दिनांक **07/06/2024** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
धरसींवा
जिला-रायपुर (छ.ग.)

बालको ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लिया हरित भविष्य का संकल्प

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने छत्तीसगढ़ वन विभाग के सहयोग से बालको टाउनशिप में 200 से अधिक पौधे लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कंपनी द्वारा सस्टेनेबिलिटी एवं पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कंपनी ने वन विभाग के सहयोग से वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है जो हरित भविष्य को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। बालको के भूमि पुनरुद्धार में वृक्षारोपण की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्वपूर्ण कदम की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड (सीईसीबी) के प्रतिनिधि विस्तारित वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा बने। स्लोगन 'हमारी भूमि हमारा भविष्य, हम पुर्नोद्धार की पीढी है' पर चलाए गए अभियान से कर्मचारी और समुदाय को हरित भविष्य के लिए एकजुट किया गया। युवा पीढ़ी को इस वैश्विक अभियान में शामिल करने के लिए कंपनी द्वारा सीड्स बॉल (खुद से) बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई जिसके बाद नंद घर में पौधारोपण किया गया। नंद घर आंगनवाड़ी केंद्र हैं जो समुदायिक विकास के लिए वेदांता लिमिटेड द्वारा संचालित की जाती हैं। कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को अधिक हरियाली वाले स्थानों के विकास के लिए वृक्षारोपण और बीजों के पुनः उपयोग के बारे में शिक्षित करना है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि हम पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने और संरक्षित करने के लिए कटिबद्ध हैं। हम अपने प्रचालन में सस्टेनेबल प्रथाओं को अपनाकर 2050 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के व्यावसायिक नवाचार को अपना रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस हमें अपने समुदाय के साथ जुड़ने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और उसे बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ाने का अवसर देता है। विभिन्न पर्यावरण कार्यक्रमों के माध्यम से हमारा लक्ष्य सस्टेनेबल संस्कृति को बढ़ावा देना है जो हमारे प्रचालन के साथ-साथ समुदाय तक फैली हुई है।

इस अभियान में हमने सभी हितधारकों को हरित भविष्य के लिए हमारे मिशन में शामिल किया है। कोरबा वन विभाग के उप वनमंडलाधिकारी आशीष खेलवार ने पर्यावरणीय प्रयासों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पौधारोपण एक सस्टेनेबल अभ्यास है जिसे हमें दैनिक कार्य संस्कृति में शामिल करना चाहिए। वन विभाग एवं विभिन्न संगठनों के एकजुट प्रयास, सस्टेनेबल भविष्य को प्राप्त करने और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त वर्ष 2025 में 1.5 लाख पेड़ लगाने के लक्ष्य के साथ बालको द्वारा सस्टेनेबल भविष्य की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयास तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका समर्पित प्रयास वास्तव में सराहनीय है। कंपनी ने अपने संयंत्र में पर्यावरण के अनुकूल प्रचालन करने और उसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उप-इकाइयों के अपने कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों को ग्रीन चैंपियन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया। सप्ताहिक कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यक्तियों को प्रेरित करने के लिए प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। सस्टेनेबल प्रैक्टिस को बढ़ावा देने और पर्यावरण संबंधी समर्पित प्रयासों का जश्न मनाने लिए पुरस्कार समारोह के साथ हुआ। कंपनी समुदाय के साथ साझेदारी में कर्मचारियों, निवासियों और बच्चों को सस्टेनेबल जीवन के बारे में शिक्षित करके पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति विकसित कर रही है। प्रकृति के साथ जुड़ाव को मजबूत करने के लिए बालको ने बच्चों के ग्रीष्मकालीन शिविर में विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया। शिविर के माध्यम से बीज वितरण तथा वृक्ष को गले लगाने का अभ्यास कराया गया जिससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को विकसित किया जा सके। बालको ने वित्त वर्ष 2024 में सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण योगदान के साथ सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जो निम्नलिखित हैं। आसपास के प्राकृतिक जल संसाधनों को पुनर्जीवित करके भूजल बहाली सुनिश्चित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 42 कृषि और सामुदायिक तालाबों का जीर्णोद्धार कर जल संरक्षण के प्रयास को मजबूत किया गया। 1 लाख 20 हजार से अधिक पौधारोपण किया गया जो हरित भविष्य के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। मानव तथा पशुओं के बीच सामंजस्यपूर्ण बंधन को सुगम बनाने के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन। स्थानीय वनस्पतियों और जीवों के बारे में सभी को संवेदनशील बनाने के लिए वन सैर के साथ-साथ वन्यजीव और प्रकृति फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं का आयोजन। कंपनी ने क्षेत्र की जैव विविधता को प्रदर्शित करने के लिए मैगजीन का प्रकाशन किया गया। कंपनी ने रिक्लेमेशन प्रक्रिया के तहत 150 हेक्टयेर से अधिक फैले अनुपयोगी पांच ऐश डाइक क्षेत्र का सफलतापूर्वक वनीकरण किया जो पर्यावरण संरक्षण प्रति कंपनी की कटिबद्धता को दर्शाता है।

आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

बेहतर शिक्षा और गुणवत्तायुक्त पौष्टिक भोजन सहित परिसर की नियमित स्वच्छता पर दिए निर्देश

बीजापुर। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तायुक्त भोजन नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सहित आश्रम-छात्रावासों की परिसर पर स्वच्छता हेतु जिले के सभी आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षकों को दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि नए शिक्षा सत्र में बच्चों को आश्रम-छात्रावास का माहौल रोचक लगे, सकारात्मक वातावरण निर्मित हो सके इसके लिए छोटी-छोटी मरम्मत, रंग-रोगन सहित कक्षाओं एवं परिसरों की नियमित साफ-सफाई बरसात के मौसम आने वाला है परिसर में पानी की समुचित निकासी हो, गंदे पानी का जमाव बिल्कुल न हो, झाड़ियों की सफाई सहित मध्यान्ह भोजन हेतु रसोई कक्ष की सफाई, रसोईयों की व्यक्तिगत स्वच्छता जिसमें एप्रेन, सिर पर टोपी पहनकर खाना बनाने, नाखून कटे हुए हो, मध्यान्ह भोजन बनाने में स्वच्छ पानी सहित स्वच्छता पर पूरी तरह अमल करते हुए मीनू के आधार पर गुणवत्तायुक्त पौष्टिक आहार बच्चों को मिले दाल की क्वालिटी में बढ़ोतरी करने सहित मीनू के आधार पर भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि उनके द्वारा लगातार निगरानी भी की जाएगी। कही भी भोजन की गुणवत्ता में कमी नही होने चाहिए। वहीं मीनू चार्ट को प्रमुखता से ऐसे जगह लगाए जिसे पालक एवं आम नागरिक आसानी से देख सके। सभी भवनों में विद्युतीकरण एवं विद्युत कनेक्शन का तार अस्त-व्यस्त न हो, सभी विद्यालयों के कक्षाओं का नाम महापुरूषो के नाम पर नामकरण करने, छात्रा-छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, मच्छरदानी का उपयोग नियमित करने, निर्धारित तिथि में स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने, संस्थाओं की अनुपयोगी कबाड़ी समानों का स्थानीय स्तर पर अपलेखन करने, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों सहित सामान्य ज्ञान की तैयारियां कराने सहित बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। स्कूल वेंडे वर्राट पडूंम स्कूल फिर से चले हम के तहत करीब 6 हजार चिन्हांकित शाला त्यागी, अप्रवेशी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निर्देश दिए। सभी कर्मचारियों को शासन के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। अधीक्षक सहित चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को आश्रम में रात को डयूटी में तैनात रहने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास केएस मशराम ने कलेक्टर पाण्डेय को उनके दिए हुए निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए व्यवस्थाओं को सुधार लाने के लिए आश्वस्त किया।

धनिया और धान की चोरी, कब होगी जांच?, पीड़ित किसान कर रहे इंतजार

भाटापारा। शिकायतकर्ता भागसिंह सलूजा भाटापारा और मनोज लठवार, कुसमी। इन दोनों ने अपनी कृषि उपज की चोरी की शिकायत की थी लेकिन मंडी प्रशासन ने ना ध्यान दिया, ना खोज- खबर ली। यह तब, जब बाहर और भीतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। बुधवार की सुबह कृषि उपज की चोरी की कोशिश का मामला प्रकाश में आने के बाद अब पीड़ित किसान सामने आने लगे हैं। वाहन मालिक और चालक भी बहुत जल्द सामान चोरी की शिकायतें दर्ज करवाने की तैयारी में हैं। इसके बावजूद मंडी प्रशासन अभी भी गंभीर नजर नहीं आ रहा है।

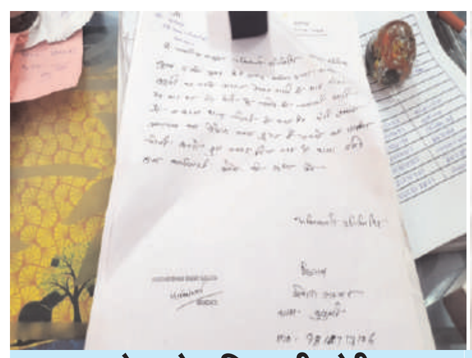

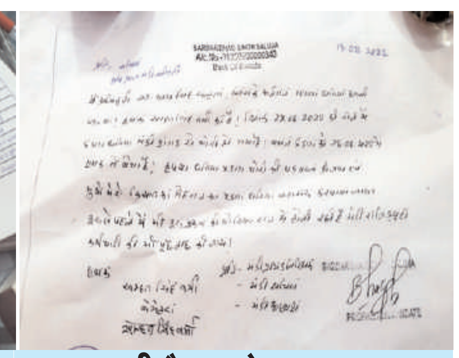

स्टेक से धनिया की चोरी

25 जून 2022 की सुबह बेमेतरा का किसान खम्हन सिंह वर्मा अपनी कृषि उपज धनिया लेकर मंडी पहुंचा था। नीलाम की अवधि बीत चुकी थी, इसलिए उसने 10 बोरी धनिया स्टेक करवा दी थी। दूसरी सुबह याने 26 जून को जब वह पहुंचा, तब स्टेक में केवल पांच बोरी धनिया ही मिला। इसे विक्रय करने के बाद उसने अभिकर्ता भागसिंह सलूजा के माध्यम से कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई। 13 अगस्त 2022 की गई इस शिकायत पर आज तक कार्रवाई नहीं हो पाई है।

खड़ी ट्रैक्टर से धान पार

मनोज लठवार ग्राम कुसमी ने 21 नवंबर 2023 को लिखित शिकायत देते हुए बताया था कि प्रांगण के बाहर खड़ी ट्रैक्टर से दो कट्टा धान की चोरी हो गई है। मनोज ने मांग की थी, कि उस वक्त चालू सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान की जा सकती है लेकिन इस मामले में भी मंडी प्रशासन का रवैया असहयोगात्मक रहा। मंडी क्षेत्र में जैसा असुरक्षित माहौल हैं, उससे किसान हताश हो रहे हैं।

बानगी की लापरवाही की

कामकाज में लापरवाही की बानगी, इससे ही मिल रही है, कि प्रवेश और निर्गम द्वार से घुमंतू मवेशी प्रांगण पहुंचकर उपज को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह तब हो रहा है, जब मैदानी अमला, मंडी प्रशासन के पास अच्छी-खासी संख्या में है लेकिन यह अव्यवस्था भी दूर करने में अक्षम है मंडी प्रशासन।

देखता हूं

दोनों मामलों में जांच हुई होगी। पता करवाता हूं।
-एस एल वर्मा, सचिव, कृषि उपज मंडी, भाटापारा

चंगोरी, खैरा-खैंदा में पर्यावरण दिवस पर रोपे गए पौधे, जनप्रतिनिधियों की सार्थक पहल

लवन। कसडोल विधानसभा के तहसील मुख्यालय लवन अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा-खैंदा एवं चंगोरी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने सार्थक पहल का परिचय देते हुए तालाबों के किनारे सहित गॉव के मैदानी इलाकों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किये गए हैं। इस अनूठी पहल की तारीफ ग्रामीण क्षेत्रों में खूब दिखाई दे रहा है। विश्व पर्यावरण पर खास बातचीत करते हुए सरपंच वीरेंद्र बहादुर कुर्रे ने बताया कि पेड़ पौधों के चलते प्रकृति का संतुलन बना रहता है। पर्यावरण प्रदूषण को रोकना है तो पेड़ पौधों वृहद पैमाने पर लगाने की दिशा में हर किसी को सार्थक पहल करने की आवश्यकता है। वृक्षारोपण के अवसर पर ग्राम पंचायत खैंदा में सरपंच वीरेंद्र बहादुर कुर्रे, जनप्रतिनिधियों सहित महिलाओं की उपस्थिति इसके अलावा ग्राम पंचायत चंगोरी में टोप कुमार कैवर्त, किरण निषाद, बोधराम कैवर्त, चित्रकान्त कैवर्त, गोपाला कैवर्त, परमेश्वर कैवर्त, सुशील कैवर्त, रोजगार सहायक मनहरण यादव सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

पर्यावरण दिवस पर 100 पौधो का रोपण

रायपुर। चेतना चाइल्ड एंड वूमेन वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया गया पर्यावरण दिवस जिसके अवसर पर परियोजना संचालक इंदु साहू और परियोजना प्रबंधक पूनम साहू द्वारा बताया गया कि जनजीवन की सुरक्षा के लिए पर्यावरण को सुरक्षित व संरक्षण रखने की जरूरत है। आधुनिकता की ओर बढ़ रहे विश्व के विकास की राह में ऐसी चीजों का उपयोग शुरू कर दिया जो धरती और पर्यावरण के लिए घातक है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है पर्यावरण के संरक्षण के लिए संस्था के द्वारा छायादार वृक्षों का रोपण स्वास्थ्य केंद्र में किया गया, जिसमें बेल, नीम, नींबू, बरगद, पीपल, शैगोन, बरगद, अशोक जैसे पेड़ शामिल थे। बिरगांव क्षेत्र में कारखाने की अधिकता के कारण यहां पेड़ पौधे आसानी से नहीं लग पाते और पेड़ो की कटाई के कारण जल स्तर पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

5500 फलदार पौधे संयत्र परिसर तथा ग्राम ताराशिव के रीपा केंद्र में लगाए

विश्व पर्यावरण दिवस : अदाणी फाउंडेशन ने आयोजित किया पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर। जिले के खरोरा तहसील में स्थित अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायखेड़ा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पाँच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस की इस वर्ष की थीम भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन पर अदाणी पॉवर के पर्यावरण विभाग द्वारा पहली से 5 जून तक कर्मचारियों तथा ग्रामीण समुदायों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस मौके पर ग्राम ताराशिव के रिपा केंद्र में पौधारोपण कार्यक्रम सहित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 5500 फलदार पौधे संयत्र परिसर तथा ग्राम ताराशिव के रिपा केंद्र में लगाए गए।

इस दौरान आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 120 बच्चों ने पर्यावरण में वृक्षों के महत्त्व को बताने वाले चित्र बनाकर कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही पर्यावरण दिवस के दिन 2500 फलदार पौधे अदाणी पॉवर के परिसर में रोपे गए, जबकि 3000 फलदार पौधों को ग्राम ताराशिव के रीपा केंद्र में लगाने के साथ साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी पौधे भेंट किए गए, जिसे वे अपने घर या बाड़ी में रोपित करेंगे और उनकी देखभाल करेंगे। बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर अदाणी पॉवर, रायखेड़ा के स्टेशन हेड श्रीकांत वैद्य ने पास के ग्रामों के सरपंचों और गणमान्य नागरिकों संग पौधारोपण किया। इस मौके पर अदाणी पॉवर के स्टेशन हेड वैद्य ने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्य रूप से प्लास्टिक प्रदूषण को हराना हमारा उद्देश्य है। हमारी इस पहल से विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर पौधे न केवल पर्यावरण की सुंदरता को बढ़ाएंगे, बल्कि महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का एक बेहतर स्त्रोत प्रदान करने के साथ ही पर्यावरणीय प्रथाओं को बढ़ावा तथा स्थानीय जैव विविधता को बढ़ावा देने के माध्यम से ग्लोबल वार्मिंग को कम करने का समग्र प्रयास करेंगें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर, अदाणी समूह वर्ष 2030 तक 10 करोड़ पेड़ लगाने के अपने मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गर्व से दोहराता है। अदाणी फाउंडेशन, अदाणी पावर रायपुर रायखेड़ा की सामुदायिक सहभागिता को ध्यान में रखते हुए सयंत्र के नजदीक से लगे ग्रामों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में सुधार के लिए पहल करता है। जिनमें नवोदय कोचिंग, बाला पेंटिंग, समर कैंप इत्यादि के माध्यम से बुनियादी शिक्षा में सुधार से बच्चों के भविष्य को संवारने का एक सफल प्रयास किया जा रहा है।

महिला से छेड़छाड़ करने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा। अभियान सृजन के तहत पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार अविनाश ठाकुर, एसडीओपी भाटापारा आशीष अरोरा के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी भाटापारा शहर निरीक्षक योगिताबाली खापर्डे के निर्देशन में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा क्षेत्र अंतर्गत शराब कोचियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों, सटोरियों एवं अन्य अवैधानिक कार्य करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में भाटापारा शहर में एक महिला को परेशान करते हुए, छेड़छाड़ करने तथा जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रार्थीया द्वारा थाना भाटापारा शहर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि 30.05.2024 को आरोपित ललित लहरे द्वारा मैं तुमसे प्यार करता हूं अगर तुम मुझसे नहीं मिलेगी तो मैं कुछ कर लूंगा। इस प्रकार की बातें करके मुझे अपने घर बुलाया एवं मेरा हाथ बांह पकड़ कर मुझसे जबरदस्ती करने की कोशिश करने लगा।

मैं किसी तरह वहां से निकल कर भाग गई। उसके बाद आरोपी लगातार मेरे घर का चक्कर काटकर मुझे, मेरे परिवार वालों तथा मेरी सहेली को जान से मारने की धमकी दे रहा है। कि रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्र. 287/ 2024 धारा 354, 354घ, 506 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

संपादकीय

परिणाम सचमुच चौंकाने वाला

लोकसभा चुनाव के परिणाम सचमुच चौंकाने वाले रहे। यह चौंकना भारतीय जनता पार्टी और विशेषकर नरेन्द्र मोदी द्वारा पैदा की गई उस अतिश्योक्ति के संदर्भ में ज्यादा रहा जिसमें वे भाजपा को अकेले दम 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के पार ले जाने का जोरदार दावा कर रहे थे। सारा चुनाव इसी सीमा रेखा के इर्द-गिर्द घूम गया कि 400 पार होंगे या नहीं होंगे। मतदान के तुरंत बाद हुए एग्जिट पोल अनुमानों ने 400 पार की संख्या को जैसे वास्तविकता में ही बदल दिया, लेकिन जब वास्तविक परिणाम आए तो 400 पार की ये उड़ान किसी घायल परिंदे की तरह जमीन पर आ गई और 292 पर ही सिमट गई और राजग 300 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। भाजपा को सबसे तगड़ा झटका उत्तर प्रदेश ने दिया जहां वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरने में असफल रही। और समाजवादी पार्टी सबसे बड़े विजयी दल के रूप में उभरकर आई। मेनका गांधी, स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा आदि की हार के साथ-साथ सर्वाधिक आश्चर्यजनक और आघातकारी हार फैजाबाद (अयोध्या) में रही जहां समाजवादी पार्टी ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को पराजित कर दिया। पश्चिम बंगाल ने भी भाजपा को तगड़ा झटका दिया। जो भाजपा वहां 30 से ज्यादा सीटें लाने का दावा कर रही थी वो 30 सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में चली गई। अगर भाजपा को ओडिशा में ज्यादा सीटें न मिली होती और उसके सहयोगी दल तेलुगू देशम पार्टी या बिहार में जनता दल (यू) ने अपेक्षा से ज्यादा सीटें नहीं पाई होतीं तो भाजपा के लिए सरकार बनाना भी कठिन हो जाता। ये चुनाव परिणाम बताते हैं कि नरेन्द्र मोदी की और योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता में भारी गिरावट हुई है। उनका राम मंदिर का पत्ता, जिसे वे तुरुप का पत्ता मान रहे थे, नहीं चला। उसी तरह मांस, मछली और मंगलसूत्र और मुसलमान जैसे शिगूफे नहीं चले। दूसरी ओर विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण, संविधान तथा लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर मतदाता को प्रभावित करने में सफल रहा। भाजपा की अपेक्षाओं को पिन चुभाने का काम उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरणों ने भी किया। मुसलमान और यादव मतदाता एकजुट होकर सपा और कांग्रेस गठबंधन के साथ थे तथा मोदी-योगी की शैली से नाराज कुछ अन्य जातियों के मतदाता भी सपा-कांग्रेस के साथ गए। उत्तर प्रदेश ने कई अर्थों में भाजपा के विजय रथ को रोक दिया।

कौन भुगतेगा चुनावी गारंटी का खामियाजा

डा. अश्विनी महाजन

सबसे पहले इसका असर यह होगा कि हमारे तमाम विकासगत खर्च कम हो जाएंगे और विकास ठप हो जाएगा, जिससे भविष्य में टैक्स की प्राप्तियां भी कम हो जाएंगी। दूसरे, सरकार को भारी कर्ज लेना पड़ेगा लोकसभा चुनावों की गर्मी चरम सीमा पर है। चुनावों में हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए राजनीतिक दल हर वर्ग को लुभाने की कवायद में लगे हैं। पूर्व में राजनीतिक दल अपने चुनाव घोषणापत्र में चुनाव जीतने पर अपनी प्रस्तावित नीतियों संबंधी घोषणाएं करते रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़-दो दशक से राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए मुफ्त स्कीमों संबंधी घोषणाएं करने लगे हैं। कभी किसानों के ऋण माफी की घोषणा, तो कभी युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, तो कभी सरकारी नौकरियों का वायदा आदि से शुरुआत हुई। लेकिन अब यह वादे, गारंटी का रूप ले चुके हैं। अब मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की गारंटी सबसे लुभावनी मुफ्तखोरी की स्कीमें बन चुकी हैं। हालांकि कुछ स्कीमों के द्वारा जनकल्याण की भावना को समझा जा सकता है, जैसे लिंग असंतुलन को दूर करने और महिलाओं में साक्षरता और शिक्षा को बढ़ाने हेतु लाडली योजना, किसानों की हालत सुधारने के लिए सस्ते इनपुट या उनकी उपज का अधिक मूल्य देने की गारंटी आदि कुछ ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं हैं जिनको न्यायसंगत कहा जा सकता है। लेकिन सभी लोगों को मुफ्त बिजली, पानी या यात्रा के फलस्वरूप सरकारों के बजट बिगड़ सकते हैं या सरकारों पर कर्ज बढ़ सकता है। गारंटियों के संदर्भ में हर राजनीतिक दल दूसरे से बढ़-चढ़कर घोषणाएं कर रहा है। लेकिन वोटरों को लुभाने और येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने की कवायद में देश के कई राज्य पहले से ही लगातार कर्ज के बोझ में दबते जा रहे हैं और इस कारण जहां वे एक ओर तो अपने वायदे पूरी तरह निभा पाने में असफल हो रहे हैं, साथ ही उन राज्यों का विकास कार्य तथा आवश्यक सरकारी कामकाज तक प्रभावित हो रहे हैं। अनेक राज्य हं प्रभावित : पंजाब में

चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी ने मुफ्त बिजली समेत कई घोषणाएं की। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद इनमें से कुछ घोषणाओं पर अमल हुआ, लेकिन आज स्थिति यह है कि सरकार पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ तो रहा ही है, उससे भी ज्यादा कर्ज लेने की कवायद चल रही है और केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि वो राज्य को पैसा नहीं दे रही। जबकि वास्तविकता यह है कि राज्य सरकारें वोट बटोरने की कवायद में गैर जिम्मेदारी से मुफ्तखोरी की स्कीमें चला रही हैं। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड आदि में लगातार कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। उधर केंद्र सरकार राज्यों को और अधिक कर्ज लेने देने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि यह 'एफआरबीएम अधिनियम' के खिलाफ है। जिन राज्यों पर मुफ्तखोरी की स्कीमों के कारण कर्ज बढ़ रहा है, वे अपने-अपने राज्य में आवश्यक खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। पंजाब में उद्योगों को बिजली इसलिए महंगी मिल रही है क्योंकि पंजाब सरकार लगभग 60 लाख लोगों को मुफ्त बिजली दे रही है। पंजाब में इंफ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। लंबे समय से विभिन्न सरकारों द्वारा दी जा रही मुफ्तखोरी स्कीमों के चलते पंजाब, जो एक समय देश का सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य था, वह 19वें स्थान पर खिसक चुका है। लगभग इसी प्रकार के हालात कर्ज में डूबे अन्य राज्यों में भी हैं। 2024 के आम चुनावों में अब तो बात हर साल प्रत्येक लाभार्थी परिवार को एक लाख रुपए देने तक आ गई है। अगर ऐसी पार्टी सत्ता में आती है तो ऐसी योजना का क्रियान्वयन भयावह हो सकता है। गौरतलब है कि 31 मार्च 2023 तक भारत में सरकारों (केंद्र और राज्य) पर कुल कर्ज (उनके द्वारा दी गई गारंटी सहित) 231.7 लाख करोड़ रुपए था, जो मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का 85.1 प्रतिशत था। इसमें से केंद्र सरकार का कुल कर्ज जीडीपी के 57.1 प्रतिशत के बराबर है और बाकी राज्य सरकारों (जीडीपी का लगभग 28 प्रतिशत) का है। हमें यह जानना होगा कि राज्य सरकारों के कर्ज का अनुपात पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकारों की गैरजिम्मेदाराना मुफ्तखोरी, सरकारों के समग्र ऋण में वृद्धि के कारण देश को परेशान कर रही है, और समग्र ऋण में यह वृद्धि के कारण अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रेटिंग घटाने का कारण बन रही है। क्या गारंटियां राजकोष के संकट को बढ़ा सकती हैं : समझना होगा कि केंद्र सरकार हो अथवा राज्य सरकारें, किसी भी सरकार के पास खर्च करने हेतु असीमित राजकोष नहीं होता। राजकोष मोटे तौर पर देश के लोगों की कर देने की क्षमता पर निर्भर करता है। लंबे समय से हमारा कर-जीडीपी अनुपात 17 प्रतिशत पर बना हुआ है, जिसमें से केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए करों का अनुपात जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में करों की कुल प्राप्ति (निवल) का अनुमान मात्र 26.02 लाख करोड़ रुपए आंका गया है। ऐसे में कुल बजट, जो 47.66 लाख करोड़ रुपए का है, में 26.02 लाख करोड़ रुपए की कर प्राप्तियों और 4 लाख करोड़ रुपए की गैर कर राजस्व प्राप्तियों के बाद शेष राजकोषीय घाटा, जो लगभग 16.85 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें से अधिकांश पैसा उधार से प्राप्त होगा। यानी ज्यादा खर्च करने के लिए उधार के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। इसके अलावा यह भी समझना होगा कि अर्थशास्त्रियों का इस बारे में मतैक्य है कि कुल बजट के 75 प्रतिशत से अधिक का खर्च पूर्व निर्धारित मदों पर हो जाता है, जिसमें पूर्व में लिए गए ऋणों के मूल और ब्याज की अदायगी, वेतन और पेंशन, प्रतिरक्षा खर्च, कानून और व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय संबंध, रखरखाव समेत अन्य जरूरी खर्च शामिल हैं। इसके बाद जो बचता है, उसे इंफ्रास्ट्रक्चर, कल्याणकारी योजनाओं, जैसे गरीबों के लिए घर, सार्वजनिक वितरण, मनरेगा, पेयजल, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला, बाल विकास कार्यक्रम, कृषि विकास, औद्योगिक विकास, अल्पसंख्यक आदि के कल्याण के लिए खर्च किया जाता है। जाहिर है कि यदि कांग्रेस द्वारा हाल ही में दी गई हर गरीब परिवार की चिन्हित महिला को 1 लाख रुपए देने की गारंटी को यदि लागू करना पड़ा तो उसका असर यह होगा कि कम से कम 10-12 लाख करोड़ रुपए उसके लिए उपलब्ध कराना होगा। ऐसे में उसका क्या असर होगा, यह समझा जा सकता है। पहला, सीमित कराधान के चलते, अपने निश्चित बजट में सबसे पहली कटौती पूंजीगत व्यय की होगी। यानी इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास, कृषि विकास और अन्य पूंजीगत व्यय को कम किया जाएगा। यदि इतिहास में देखें तो यूपीए के 10 सालों में कुल पूंजीगत व्यय वर्ष 2003-04 में 1.09 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2013-14 तक 1.88 लाख करोड़ रुपए तक ही पहुंचा, यानी 72 प्रतिशत की वृद्धि। जबकि एनडीए यानी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह 2023-24 तक 10.01 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, यानी 433 प्रतिशत की वृद्धि।

विशेष लेख

नतीजा सबसे बड़ा झटका

उमेश चतुर्वेदी

अठारहवीं लोक सभा चुनावों में भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी हो, लेकिन मोटे तौर पर देखें तो यह नतीजा उसके लिए सबसे बड़ा झटका ही माना जाएगा। 2014 में जब पार्टी 283 सीटों के साथ अपने दम पर बहुमत हासिल करके सत्ता में आई थी, तब कहा गया था कि देश का मतदाता प्रबुद्ध हो गया है। उसे अस्थिर सरकारें मंजूर नहीं हैं। 2019 के आम चुनाव ने इसी धारणा को आगे बढ़ाया और ब्रांड मोदी का नाम स्थापित हो गया, लेकिन 2024 में स्थितियां बदली हुई हैं। ये पंक्तियां लिखी जाते वक्त तक भाजपा अपने दम पर ढाई सौ का आंकड़ा भी पार करती नहीं दिख रही है। ऐसे में सवाल उठेंगे कि भारतीय जनता पार्टी कहां चूकी? भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद जिस उत्तर प्रदेश से रही है, वहां पार्टी को सीटों का सबसे ज्यादा नुकसान है। बिहार में भी वह सबसे बड़ा दल होती थी, लेकिन इस बार उसे जनता दल (यू) मात देता नजर आ रहा है। वह आगे निकल गया है। पश्चिम बंगाल में उसे बड़ी जीत की उम्मीद थी, तकरीबन सारे एक्जिट पोल ऐसी ही उम्मीद जता रहे थे, लेकिन वैसा नहीं हुआ। उलटे उसकी सीटें भी घट गई। राजस्थान में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। राज्य की आधी सीटों पर ही जीत हासिल होती नजर आ रही है। पार्टी को हरियाणा में भी झटका लगा है। लेकिन प्रज्वल रेवन्ना कांड के बाद जिस कर्नाटक से उसे सबसे ज्यादा झटके की उम्मीद थी, वहां से उसे उतना नुकसान नहीं हुआ है। भाजपा भले ही तमिलनाडु से बहुत उम्मीद कर रही थी, लेकिन वहां भी उसे 2014 की तरह महज एक सीट पर ही जीत मिलती नजर आ रही है। भाजपा को महाराष्ट्र में भी बड़ा नुकसान हुआ है। पिछली बार पार्टी के यहां से 22 सांसद जीते थे। लेकिन इस बार उसकी सीटें आधी रह गई हैं। एनसीपी से अलग होकर भाजपा का साथ देने वाले अजित पवार को महज एक ही सीटें मिलती नजर आ रही हैं। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा से बड़ा झटका लगा है। हालांकि पार्टी को सबसे ज्यादा समर्थन मध्य प्रदेश से मिला है। गुजरात में भी उसका गढ़ बचा हुआ है। असम, अरु णाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल में भी उसका जादू चल रहा है। सवाल यह है कि आखिर, भाजपा उत्तर प्रदेश में क्यों कमजोर हो गई? फौरी तौर पर देखें तो सबसे बड़ा कारण यहां के युवाओं के गुस्से को बड़ा कारण माना जा रहा है। राज्य में बार-बार परीक्षाओं के पेपर आउट होते रहे। इससे युवाओं में गुस्सा रहा। इसकी वजह से उनकी नौकरियां लगातार दूर जाती रहीं। अग्निवीर योजना को लेकर विपक्षी दलों विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस तरह मुद्दा बनाया, उसने युवाओं में भाजपा के खिलाफ गुस्सा भर दिया। राम मंदिर के निर्माण के बाद समूचा देश जिस तरह राममय हुआ था, उससे भाजपा को उम्मीद थी कि पार्टी को रामभक्तों का बहुत साथ मिलेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश में ही राम की लहर नहीं चल पाई। उत्तर प्रदेश में भाजपा की मौजूदा हालात के चलते 1999 का आम चुनाव याद आ रहा है। तब उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था, इस लिहाज से उत्तर प्रदेश में लोक सभा की 85 सीटें थीं। 1998 के आम चुनावों में भाजपा को राज्य से 52 सीटें मिली थीं। लेकिन बाद में कल्याण सिंह ने बागी रुख अपना लिया तो अगले ही साल हुए आम चुनावों में भाजपा की 23 सीटें घट गई। कुछ ऐसी ही स्थिति इस बार भाजपा की उत्तर प्रदेश में होती दिख रही है। पार्टी अपना आकलन तो करेगी, लेकिन मोटे तौर पर माना जा रहा है कि भाजपा को राज्य में सबसे ज्यादा नुकसान युवाओं के गुस्से, राज्य सरकार के स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार ना रोक पाने और गलत उम्मीदवार देने की वजह से हुआ। उदाहरण के लिए बलिया से नीरज शेखर की उम्मीदवारी पर पार्टी के ही लोगों को सबसे ज्यादा ऐतराज रहा। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी डाक मतमत्रों में छह हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चलते रहे, इसका मतलब साफ है कि भाजपा को लेकर राज्य में एक तरह से गुस्सा था, जिसे भांपने में पार्टी नाकाम रही। बिहार के बारे में माना जा रहा था कि नीतीश को नुकसान होगा लेकिन इसके ठीक उलट नीतीश अपनी ताकत बचाए रखने में कामयाब हुए हैं। राज्य में अब जनता दल सबसे बड़ा संसदीय दल है। तो क्या यह मान लिया जाए कि 2020 के विधानसभा चुनावों में कमजोर किए जाने की कथित कोशिश को पलट दिया है? पार्टी को महाराष्ट्र में शायद अजीत पवार को साथ लाना उसके वोटरों को पसंद नहीं आया। भाजपा ही उन्हें राज्य की सिंचाई घोटाले का आरोपी मानती रही और उन्हें ही उपमुख्यमंत्री बनाकर ले आई। जब कोई विपक्षी व्यक्ति पार्टी या गठबंधन में लाया जाता है, तो सबसे ज्यादा जमीनी कार्यकर्ता को परेशानी होती है।

मानव जीवन भी संकट में होगा.....

पंकज चतुर्वेदी

मई 26 को असम के तिनसुकिया जिले की पाटकाई पहाड़ियों पर अवैध रूप से संचालित 'रेट होल माइंस' में दब कर तीन लोग मारे गए। विदित हो पास ही मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक 'रेट होल माइंस' अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश को दस साल हो गए हैं, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे। इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी मेघों का देश कहे जाने वाले प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि कभी दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां नदियां जहरीली हो रही हैं, और सांस में कार्बन घुल रहा है। यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। हाई कोर्ट की कमेटी बताती है कि अभी भी अकेले पूर्वी जयंतिया जिले की चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको हटाया जाना है। दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी 'विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट' अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है। एक बात और, 26 हजार की संख्या तो केवल एक जिले की है, ऐसी ही खदानों का विस्तार वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स और साउथ गारो हिल्स जिलों में भी है। इनकी कुल संख्या सात हजार से अधिक होगी। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है, 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रु पये की राशि बगैर इस्तेमाल पड़ी है, और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया। मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदान हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या 26 हजार से अधिक है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बमुश्किल तीन से चार फीट की होती हैं। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं। साइड कटिंग के जरिए मजूदर को भीतर भेजा जाता है और वे तब तक भीतर जाते हैं, जब तक उन्हें कोयले की परत नहीं मिल जाती। सनद रहे मेघालय में कोयले की परत बहुत पतली हैं, कहीं-कहीं तो महज दो मीटर मोटी। इसमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं। दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फीट गहराई तक मजदूर जाते हैं। यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे कां कोयला कहा जाता है। तभी यहां कोई बड़ी कंपनी खनन नहीं करती। ऐसी खदानों के मालिक राजनीतिक दलों से जुड़े हैं, और श्रमिक बांग्लादेश, नेपाल या असम से पहुंचे घुसपैठिए होते हैं। एनजीटी की रोक के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 की धारा 3 के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं। सो, राज्य सरकार अवैध खनन को वैध का अमलीजामा नहीं पहना पाई। लेकिन गैर-कानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है। आये रोज लोग मारे जाते हैं, कुछ जब्ती और गिरफ्तारियां होती हैं, और खेल जारी रहता हैं। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी आदेश में कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपेर्ट में बताई गई थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है, और स्थानीय आदिवासी तो केवल शेषित श्रमिक ही हैं। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोयले की कालिख राज्य की जल निधियों की दुश्मन बन गई है। लुका नदी पहाड़ियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिल कर बनी है, इसमें लुनार नदी के मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है। इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा और कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा और पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है। एक और खतरा है कि जयंतिया पहाड़ियों के गैर-कानूनी खनन से कटाव बढ़ रहा है, दलदल बढ़ने से मछलियां कम आ रही हैं। ऊपर से जब खनन का मलबा इसमें मिलता है तो जहर और गहरा जाता है। मेघालय ने गत दो दशकों में कई नदियों को नीला होते, फिर उनके जलचर मरते और आखिर में जलहीन होते देखा है। विडंबना है कि यहां प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड से ले कर एनजीटी तक सभी विफल हैं।

जीवन की जय......मृत्यु का क्षय.....

कुलभूषण उपमन्यु

रासायनिक पदार्थों के प्रयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण भूमि की उपजाऊ शक्ति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। रासायनिक जहरों का असर फसलों पर हो रहा है वैयक्तिक स्तर पर तो मृत्यु अपरिहार्य सत्य है, किन्तु प्रवाह रूप में जीवन धारा का सातत्य ही संसार को चलाए रखने वाली प्रक्रिया है। वर्तमान विकास यात्रा में प्रकृति के साथ आधुनिक संस्कृति का टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंचता जा रहा है, जिसने सतत जीवन धारा को ही खंडित करना आरंभ कर दिया है। इस संस्कृति का आधार विज्ञान, तकनीक का गुलाम होकर भेदवादी शक्तियों की ताकत बनता जा रहा है। समग्रता वादी आध्यात्मिक चिंतन, जो विश्व समाज को जोड़ने का काम करता है, हाशिए पर जा रहा है, जिसकी परिणति आत्ममुग्धता और अहंकार जनित युद्धों और पर्यावरण विध्वंस के रूप में हो रही है। यूनेस्को के संविधान की घोषणा के ये शब्द इस विषय में प्रासंगिक हैं : 'युद्ध मनुष्यों के मन में आरंभ होते हैं, पर्यावरण संबंधी समस्याएं भी मनुष्य के मन में ही आरंभ होती हैं। इसलिए वास्तविक रूप में मानवीय, बौद्धिक, नैतिक पर्यावरण की नींव मानव मन में ही डालनी होगी।' वर्तमान विश्व समाज विशेषज्ञ संचालित है। विशेषज्ञ चीजों को टुकड़ों में विश्लेषण द्वारा समझते हैं, जिससे समग्र हित साधन की समझ गायब हो जाती है। जैसे एक विशेषज्ञ चिकित्सक शरीर का इलाज करेगा तो आंख, कान, नाक, गुर्दा, हृदय के अनुसार करेगा। यदि गुर्दे का इलाज करते हृदय को हानि पहुंच जाए जिससे सारा शरीर दुष्प्रभावित हो जाए, तो उस पर चिकित्सक का वश नहीं रहता। औद्योगिक विशेषज्ञता ने प्रकृति के मूल जीवनदायी तत्वों हवा, पानी, मिट्टी (भोजन) को ही संकट ग्रस्त कर दिया है। वायु प्रदूषण के लगातार बढ़ते स्तर के कारण ग्रीन हाउस प्रभाव के

चलते वैश्विक तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद से हो रही तापमान वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा मंडराने लगा है। दुनिया भर में बेमौसमी और भारी बारिशें, भयंकर समुद्री तूफान, बाढ़-सूखा चक्र, भूस्खलन और बर्फीले तूफानों का क्रम लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेंटीग्रेट के भीतर नहीं रोका गया तो जलवायु परिवर्तन के परिणाम कितने भयंकर होंगे, इस बात का अनुमान लगाना भी कठिन है। तापमान में एक डिग्री वृद्धि तो हो ही चुकी है। इसी मई में ही हिमाचल और उत्तराखंड में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं। ये सब असामान्य घटनाएं हैं। इसका दूसरा बड़ा प्रभाव ग्लेशियर पिघलने के रूप में सामने आ रहा है। यदि यही स्थिति रही तो 2050 तक दुनिया भर के अधिकांश ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। इससे समुद्र की सतह ऊपर उठ जाएगी और समुद्र किनारे के कई देश, द्वीप और इलाके पानी में डूब जाएंगे। वेनेजुएला ग्लेशियर समाप्त होने वाला पहला देश बनने जा रहा है। हिमालय और ध्रुवीय ग्लेशियर भी इसी परिणाम को प्राप्त होने वाले हैं। ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलों के अचानक फट जाने का खतरा बना रहता है, जिससे भयानक बाढ़ें अचानक आने के चलते भारी जन-धन की हानि हो जाती है। उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम आदि राज्य पहले ही इस कारण आने वाली त्रासदियों को झेल चुके हैं। अभी सतलुज के पनढल में पिछले एक वर्ष में ही ग्लेशियर पिघलने से 52 नई झीलों की निर्मिती हो चुकी है। सेटेलाइट अनुदर्शन से खुलासा हुआ है कि यहां 2022 में 414 ग्लेशियर झीलें थीं, अब यहां 466 झीलें हैं। वायु प्रदूषण से त्रस्त शहरों में वायु की गुणवत्ता सांस लेने के लिए सुरक्षित नहीं बची है, जिससे सांस की बीमारियों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। छोटे बच्चे तक इनका शिकार हो रहे हैं। सडक़ दुर्घटनाओं में वृद्धि का भी वायु प्रदूषण कारक बन रहा है। वायु गुणवत्ता सूचकांक में दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली प्रथम स्थान पर है, जहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 483 है। दूसरे स्थान पर लाहौर 371 अंकों के साथ और कोलकाता 206 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। जल प्रदूषण और अभाव के रूप में दूसरी बड़ी समस्या पेश हो रही है। मल-जल और औद्योगिक प्रदूषित जल नदियों में डालने के कारण देश की अधिकांश नदियां प्रदूषित हो गई हैं, जिनका जल पीने और अन्य उपयोग के लिए सुरक्षित नहीं बचा है। भूजल भी प्रदूषित हो गया है जिसमें संखिया और अन्य धातु जनित प्रदूषण की मात्रा सुरक्षित स्तर से ज्यादा हो गई है। भूजल अत्यधिक दोहन के कारण संकट में आ गया है। कई शहरों में स्थानीय आबादी के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध करवाना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इस सूची में बंगलौर पहले स्थान पर है। ग्लेशियर समाप्त होने से नदियों में सतत प्रवाह कम हो जाएगा, नदियां मौसमी हो जाएंगी जिनमें बरसात में तो बाढ़ का दृश्य होगा और अन्य मौसमों में पानी की कमी आ जाएगी, जिससे पेयजल और अन्न सुरक्षा के लिए जरूरी सिंचाई व्यवस्था भी गड़बड़ा जाएगी। पानी के लिए संघर्षों के नए युग का सूत्रपात हो जाएगा। माना जा रहा है कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के चलते दुनिया की आबादी लगातार बढ़ती जा रही है, जिसके साथ खाद्यान्नों की मांग भी बढ़ती जा रही है। किन्तु कृषि योग्य भूमि घटती जा रही है। और जो है, उसकी उत्पादकता घटती जा रही है। प्रति व्यक्ति भूमि भी आबादी में तेज वृद्धि के कारण कम होती जा रही है। रासायनिक कृषि के कारण भूमि का अत्यधिक दोहन संभव हुआ है, जिसके चलते भूमि का स्थायी उपजाऊपन कम होता जा रहा है। वैश्विक कृषि भूमि क्षेत्र 2021 में 4.79 बिलियन हेक्टेयर था जो 2000 के मुकाबले 2 फीसदी कम था। अत्यधिक रासायनिक पदार्थों के प्रयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण भूमि की उपजाऊ शक्ति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। फसलों पर छिडक़े गए रासायनिक जहरों का असर फसलों में भी कुछ प्रतिशत रह जाता है, जिसके कारण अनेक बीमारियां आदमी को घेर रही हैं।

कुण्डलपुर में ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ

कुंडलपुर(विश्व परिवार)। सागर जैन तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर में श्री बड़े बाबा आदिनाथ भगवान के जिनालय में कलशारोहण और सहस्त्रकूट जिनालय मे वेदी प्रतिष्ठा के लिये कार्यक्रम की शुरुआत 7 जून को ध्वजारोहण के साथ हुई भाग्योदय तीर्थ सागर के ट्रस्टियो ने किया। इसके पश्चात् घट यात्रा निकाली गई

कुंडलपुर में सुबह 6:30 बजे कलशारोहण के पूर्व आचार्य निमंत्रण के लिए भाग्योदय ट्रस्टी आचार्य श्री समय सागर महाराज को श्रीफल भेंट करने पहुँचे। उसके बाद ध्वजारोहण महेश बिलहरा, मुकेश जैन ढाना, देवेन्द जैना, आनंद स्टील, सट्टू कर्रापुर, प्रदीप पड़ा, राजेश रोड लाइंस, डॉ प्रियेश जैन सीए, शैलेन्द्र शालु, दीपक जैन, दिनेश बिलहरा, सौरभ खमकुआं, अनिल नैनधरा, मनोज जैन लालो, महेंद्र भूसा, संतोष सिंघई, आरके जैन, आदि के कर कमलों से प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी विनय भैया बंडा ने विधि विधान से संपन्न कराया। इसके पश्चात आचार्य श्री का पाद प्रछालन भाग्योदय तीर्थ के सभी ट्रस्टियो ने मिल कर किया। सभी ने शास्त्र भेंट किए और श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर आचार्य श्री समय सागर महाराज के प्रवचन हुए। प्रवचन के बाद कुंडलपुर के बड़े बाबा का अभिषेक और शांति धारा संपन्न हुई।

उल्लेखनीय है कि कुंडलपुर में 7 जून से 11 जून तक बेदी प्रतिष्ठा और बडे बाबा के मंदिर पर कलशारोहण का कार्यक्रम हो रहा है।

8 जून को याग मंडल विधान, 9 जून को सुबह सहस्त्रकूट जिनालय में वेदी प्रतिष्ठा में श्रीजी की प्रतिमाओं को विराजमान कराया जाएगा और मुनिसुव्रतनाथ त्रिमूर्ति जिनालय में बेदी शुद्धि के साथ भगवान की प्रतिमाएँ विराजमान होगी। 11 जून को कलशारोहण का बड़ा कार्यक्रम सुबह 6 बजे से होगा श्रुत पंचमी के अवसर पर होने वाले इस कार्यक्रम में हजारों लोगों के भाग लेने की संभावना है। सावन सिघई रेशू ने बताया कि कलशारोहण के कार्यक्रम के लिए बड़े स्तर पर तैयारियाँ चल रही है और यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कमेटियां कार्य कर रही है। पूरा कार्यक्रम चतुर्विध संघ के सानिध्य में सम्पन्न होगा। -**मुकेश जैन ढाना**

राग, द्वेष, मोह चेतन आत्मा में अचेतन द्रव्य और भाव कर्मों का बंध करते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

बांसवाड़ा (विश्व परिवार)। आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज कि अक्षुण्ण मूल बालब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज खांदू कॉलोनी श्री श्रेयांसनाथ जिनालय बांसवाड़ा में संघ सहित विराजित है। आज संघस्थ शिष्या आर्यिका श्री वत्सल मति और आर्यिका श्री विलोकमति जी ने केशलोचन किए।आज आयोजित धर्म सभा में वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने श्रावक धर्म, श्रावको के कर्तव्य, पांच पाप आदि की विवेचना कर अपनी देशना में बताया कि श्रावक धर्म भगवान का बताया हुआ धर्म है, भगवान ने चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थ की देशना दी है। श्रावक को धर्म पुरुषार्थ करने से ही मोक्ष पुरुषार्थ की प्राप्ति होती है।श्रावक और साधु धर्म, श्रावक अर्थ और काम, और मोक्ष पुरुषार्थ श्रावक और साधु दोनों कर सकते हैं।

भगवान सर्वज्ञ वितरागी और हितोपदेशी है उन्होंने अपने दिव्य देशना के माध्यम से चारो पुरुषार्थ की देशना दी है। काम का अर्थ वासना नहीं काम का अर्थ अनंत इच्छाओं कामनाओं पर नियंत्रण से है। धर्म पुरुषार्थ से मोक्ष पुरुषार्थ की ओर बढ़ सकते हैं। श्रावक अर्थ पुरुषार्थ में लगे रहते हैं उन्हे जो व्यापार व्यवसाय करते हैं उसे धर्म, न्याय नीति पूर्वक करना चाहिए श्रावको को पांच पापों से बचने का प्रयास करना चाहिए परिग्रह पाप की श्रेणी में आता है आपको आवश्यकता से अधिक चल अचल संपत्ति वस्तु खाद्य सामग्री का त्याग करना चाहिए आप उनका उपभोग नहीं करते तो भी उनका दोष आपको लगता है।

ब्रह्मचारी गज्जू भैय्या समाज के सेठ श्री अमृतलाल जैन अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि श्रावको को धर्म, देवशास्त्र, गुरु के लिए चार दान करना चाहिए श्रावक को पूजा के साथ दान देना उसका कर्तव्य है।सभी को समाज और धर्म की रक्षा करना चाहिए। श्रावक को अपने उपकार के साथ परोपकार भी करना चाहिए। सभी को अपने कर्मों का फल अपने कार्यों के अनुसार मिलता है। कार्यों के आधार पर ही पुण्य या पाप कर्म के उदय से सुख या दुख मिलता है राग द्वेष मोह के कारण चेतन आत्मा में अचेतन कर्म बंध कर दुख देते हैं। द्रव्य और भाव की अपेक्षा से कर्मों का बंध निरंतर होता है।आचार्य श्री ने प्रेरणा दी आपको जो भी पदार्थ का सेवन करें चाहे मिनरल वाटर हो या खाद्य सामग्री हो उसके निर्माण की प्रक्रिया भक्ष्य अभक्ष्य की जानकारी होना जरूरी है। इच्छा भूख प्यास सभी गति के सभी प्राणियों को लगती है इसलिए योग्य अयोग्य का चिंतन कर ही भोजन करना चाहिए भगवान के भक्त भगवान की वाणी को श्रद्धालु होकर सुनकर, अपनाकर जीवन को सार्थक करते हैं। -**राजेश पंचोलिया**

संक्षिप्त समाचार

जैन मन्दिर काठमांडू में शांति नाथ भगवान का जन्म तप मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया

काठमांडू (विश्व परिवार)। नेपाल की राजधानी काठमाण्डू के श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जैन धर्म के 16 वे तीर्थकर

देवाधिदेव 1008 श्री शांति नाथ भगवान का जन्म तप व मोक्ष कल्याण महोत्सव बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जानकारी देते हुए सामुहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष - अनिता जैन सेठी ने बताया कि इस पावन अवसर पर प्रातः काल में श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन पाठ हुआ व सायंकाल में 48 मंगल दीपको व रिद्धि मंत्रो के साथ भक्तामर स्त्रोत का पाठ किया गया। आयोजन के क्रम में सामुहिक महाआरती की गई। महाआरती के बाद में नमोकार महामंत्र जाप का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शांति नाथ भगवान के गुण गान व जयकारों से पुरा मन्दिर प्रागण गुजाय मान हो गया। इस पावन अवसर पर कार्यक्रम में दिगम्बर जैन समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

चल चरखा हथकरघा केंद्र डोंगरगढ़ की महिला बुनकरों ने पर्यावरण दिवस पर लगाए पौधे

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। चल चरखा हथकरघा डोंगरगढ़ केंद्र की महिला बुनकरों ने पर्यावरण दिवस के दिन पौधे लगाने की पहल की, जल है तो कल है और पेड़ है तो जीवन है इस भावना के साथ सभी ने पौध रोपण किये, पर्यावरण दिवस सभी के लिए मंगलमय हो ऐसी कामना भी की। -**शुभी दीदी**

प्रसिद्ध जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर तीर्थ पर फिल्माए रोमांटिक गाने को लव की अरेंज मेरिज मूवी से हटाने विश्व जैन संगठन का कानूनी नोटिस

पवित्र और प्राचीन जैन तीर्थ और तीर्थंकर प्रतिमाओं के सामने रोमांटिक गाना फिल्माए जाने से जैन समाज में रोष

रायपुर (विश्व परिवार)। हाई कोर्ट एडवोकेट श्री अतुल जैन द्वारा विश्व जैन संगठन की और से भानुशाली प्रोडक्शंस, मुंबई द्वारा लव की अरेंज मेरिज मूवी में प्रसिद्ध जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी तीर्थ पर प्राचीन जैन मंदिरों के सामने फिल्माए गए रोमांटिक गाने इश्क की छांव तले को मूवी से 14 जून 2024 को इसके प्रीमियर से पूर्व तुरंत हटाने के लिए आज कानूनी नोटिस भेजा गया। विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि जैन तीर्थो पर रोमांटिक गाने फिल्मकार क्षेत्र को अपमानजनक रूप से अपवित्र करना स्वीकार नहीं। मध्यप्रदेश में जिला दतिया में सोनागिर जी जैन तीर्थ में 108 प्राचीन जैन मंदिर और प्रतिमाएं है जहां 8वें जैन तीर्थंकर चंद्रप्रभु भगवान के 17 बार समवशरण आए थे, ऐसे पावन तीर्थ और जैन तीर्थंकर प्रतिमाओं के सामने रोमांटिक गाने फिल्माकर प्रचारित करना समस्त जैन समाज को स्वीकार नहीं। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में भी शिकायत दी गई हैं। श्री संजय जैन ने बताया कि मूवी बनाने कम्पनी, इसके डायरेक्टर, कलाकारो और सेंसर बोर्ड को लीगल नोटिस भेज दिया गया है और यदि इनके द्वारा गाने को यूट्यूब और फिल्म से नही हटाया गया तो मूवी बनाने वालो और इनका सहयोग करने वालो का देशव्यापी विरोध के साथ इनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। -**विश्व जैन संगठन**

जिस घर में सास और बहु मिलकर भोजन बनाती है, उस घर में प्रेम बरसता है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

जब तक धर्म है, तभी तक अग्नि है, जब तक अग्नि है, तभी तक पृथ्वी है : मुनि श्री

विदिशा (विश्व परिवार)। कुलाचार का पालन नहीं होने से आजकल की बेटियों को जब शुद्ध भोजन बनाना ही नहीं आऐगा तो साधुओं का आहार कैसे बनाऐंगी? आहार दान की महिमा का उल्लेख करते हुये मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जिनविम्व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पांचवें दिवस ज्ञान कल्याणक दिवस पर प्रात:काल की प्रवचन सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि आजकल की बहुऐं और बेटियाँ रोटियां बनाना नहीं जानती तो इसमें दोष किसका? उन्होंने कहा कि जब मां ही भक्ष्याभक्ष्य का ख्याल नहीं रखे होटल और रेस्टोरेंट से भोजन हायर करे तो फिर शादी होंने के बाद सास बहु में पटेगी कैसे? उन्होंने सभी माताओं तथा बेटियों को सम्वोधित करते हुये कहा कि आप खूब पड़ो और माताओ आप अपनी बेटियों को खूब पड़ाइये, उच्च शिक्षा दिलाइये लेकिन रसोई बनाने में भी दक्षता आना चाहिये, जिस घर में सास और बहु मिलकर भोजन बनाती है, तथा मुनिराज को पड़गाहन कर आहार दान देती है, उस घर में प्रेम बरसता है तथा चौके में पवित्रता रहती है, दान एवं श्रावक धर्म का पालन होता है।

मुनि श्री ने कहा कि जब तक दान की परंपरा चलती रहेगी तभी तक इस धरती पर धर्म टिका रहेगा, और जब तक धर्म है, तभी तक अग्नि है, जब तक अग्नि है, तभी तक पृथ्वी है, अग्नि समाप्त हुई की समझो पंचमकाल का अंत आ गया। उन्होंने कहा कि अक्सर यह कहा जाता है की महिलाऐं जांब करती है इतना समय ही नहीं मिलता कि रसोई बना सकें उन्होंने कहा कि में आपकी विदिशा में ही ऐसी कयी महिलाऔं को जानता हूं जो जांब भी कर रही है, और घर को भी सम्हाल रही है उन्होंने कहा मोक्षमार्ग में लगे साधूओ की आहार चर्या का ख्याल रखना आपका दाईत्व है, साधू और श्रावक दौनों मिलकर के ही मोक्षमार्ग की परंपरा को आगे बड़ा रहे है, श्रावकों का कर्तव्य है कि साधुओं की आहार चर्या की पूर्ण व्यवस्था को बनाये जिससे उनके रत्नात्रय का पालन हो। इस अबसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज ने पंचकल्याणक महामहोत्सव के पांचवे दिबस मुनि आदिसागर महाराज की संपूर्ण आहार चर्या का उल्लेख करते हुये कहा कि किसी भी जीव के आहार पानी को रोकना नहीं चाहिये, इससे जो कर्म बंधते है बह भवभव तक परेशान करते है। इस अबसर पर मुनि श्री संधान सागर जी महाराज मंचासीन रहे।

प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया ज्ञानकल्याणक के दिन मुनि आदिसागर जी महाराज की आहार चर्या संपन्न हुई बाल ब्र. अशोक भैयाजी मुनिराज आदिसागर के रुप प्रतिमा को मस्तक पर धारण करके निकलते है उधर बाल ब्र अभय भैयाजी मुनिराज का पड़गाहन कर आहार व्यवस्था को सम्हाल रहे है। राजा श्रैयांस के रूप में श्री मति सुशीला शैलेंद्र चौधरी बड़ू परिवार को तथा राजा सोम के रूप में प्रेम चंद्र प्रदीप जैन एल आई सी परिवार को आहार दैनै का सौभाग्य मिला। सांयकाल शंकासमाधान के पश्चात भगवान के समवसरण में ज्ञानकल्याणक मनाया, एवं 8 जून शनिवार को प्रात:कालीन बेला में भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया जाऐगा एवं भगवान के मंगल विहार के साथ मुनिसंघ का मंगल विहार इंद्रप्रस्थ कालोनी के बासूपूज्य जिनालय की ओर होगा। एवं आहार चर्या उधर ही से संपन्न होगी, दिन में विश्राम के पश्चात सांयकाल शंकासमाधान शीतलधाम में होगा एवं रात्री विश्राम शीतलधाम में रहेगा।

-**अविनाश जैन**

धर्मात्मा जहां जाता है वह स्थान मंदिर और तीर्थ बन जाता है : आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी

अधर्मी मंदिर को भी अखाड़ा बना देता है : माताजी

ललितपुर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री सुमति सागर जी एवम विद्याभूषण आचार्य श्री सन्मति सागर जी की शिष्या श्री सृष्टि भूषण माताजी ललितपुर के पारसनाथ दिगंबर जैन अटा मंदिर में आर्यिका श्री विश्वयशमति माताजी सहित विराजित है। प्रात: कालीन धर्म सभा में माता जी ने प्रवचन में बताया कि इंद्रिय मानव की सहायता करती है जबकि मानव इंद्रियों से मायाचारी करता है।भोगी राग में जीता है और योगी वीतरागता में जीता है। भक्ति निष्काम नहीं निर्विकार होना चाहिए।वर्तमान आधुनिक युग में मशीनीकरण घातक है। मानव को मित्र और दुश्मन की पहचान करना जरूरी है। स्वयं को बदलने से जगत बदल जाता है तीर्थंकर भगवान ने पहले स्वयं को बदला फिर बाद में उपदेश से जनता को बदलाव किया। शिखा दीदी अनुसार माताजी ने बताया कि हम मानव दूसरे का दोष देखते हैं, दूसरे की प्रशंसा सहन नहीं होती। सच्चे व्यक्ति से प्रमाण मांगा जाता है किंतु झूठ व्यक्ति का कोई प्रमाण नहीं देखा जाता। दूसरे की बुराई देखने और करने में खुशी महसूस करते हैं। जीवन चारित्रवान होना चाहिए, मंदिर में भगवान के स्वरूप को देखना चाहिए आप स्वयं की दिनचर्या का अवलोकन करें आत्मनिरीक्षण करें तभी आप आत्म धर्म धारण कर आत्मा को बदल सकते हैं। धर्मात्मा जहां जाता है वहां तीर्थ और मंदिर हो जाता है अधर्मी मंदिर को भी अखाड़ा बना देता है अभी तक आपने शरीर में बदलाव किया है अब आत्मा में बदलाव करने की आवश्यकता है दूसरों की बुराई पंचायती करने के बजाय उतना समय धर्म ध्यान में लगाना चाहिए। सांसारिक पद शरीर से संबंधित ले लिए अब आत्मा का परमात्मा पद पाने का पुरुषार्थ कीजिए। -**राजेश पंचोलिया**

राजस्थान राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के फ्लेक्स का हुआ विमोचन

जयपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता के प्रथम फ्लेक्स का विमोचन श्री जिनमन्दिर परिषद भवन कालका दिल्ली में विराजित प0 पू0 आचार्य वसुनंदी जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में किया गया।

प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता जैन धर्म के 24वै तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाणोत्सव वर्ष को आचार्य श्री वसुनंदी मुनिराज द्वारा अहिंसक आहार वर्ष घोषित किए जाने के क्रम में आयोजित की जा रही है जिसमे 24 बम्फ़र पुरस्कार रखे गये है।

आयोजन के मुख्य संयोजक प्रेम चंद छाबड़ा व समन्वयक संजय जैन बड़जात्या कामां ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर से धर्म जाग्रति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के साथ कमलेश पाटनी, सोभाग अजमेरा, पुष्पा बिलाला, दीपा पाटनी, प्रियांशी दिल्ली परिषद के महामंत्री अनिल जैन नेपाली, ग्रीन पार्क से सुरेश जैन, नौगाँव से उपाध्यक्ष रजत जैन सहित कई गण मान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। महामंत्री सुनील पहाड़िया व कोषाध्यक्ष पंकज लुहाडिया के अनुसार अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के प्रेरक आचार्य वसुनंदी जी ने व मार्गदर्शक आर्यिका वर्द्धस्व नंदिनी माताजी ने सभी को मंगल आशीर्वाद दिया तथा कहा कि प्रतियोगिता श्रुत पंचमी के शुभ अवसर से प्रारंभ होगी जिसमे अधिक से अधिक सहभागिता कर प्रतियोगीयो को पोस्टर घर से ही बनाकर सभी स्थानों पर नियुक्त स्थानीय संयोजको को देना है।

-**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा- देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। देश में तीसरी बार बन रही मोदी सरकार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा कि देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत देकर एक बार फिर से बता दिया कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है क्योंकि एनडीए ने पहले से ही अपना प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नरेंद्र मोदी को घोषित कर दिया था। श्री साहू ने आगे कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ही कहा था कि तीसरे कार्यकाल में भारत को विकसित राष्ट्र और विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। साथ ही देशहित में कई अन्य बड़े और कठोर निर्णय लिए जाएंगे। ऐसे में उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी कथनी को करनी में परिवर्तित करेंगे और देश व देशवासियों को पहले से अधिक सशक्त बनाएंगे। श्री साहू ने साथ ही कहा कि चुनाव परिणाम में भले ही भारतीय जनता पार्टी को अपेक्षा से कहीं कम सीटें आई हैं लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव परिणाम में अकेले भारतीय जनता पार्टी को 240 सीटें हासिल हुई हैं, जो 37 दलों वाले विपक्षी इंडी गठबंधन के 234 सीटों से 6 सीटें अधिक हैं। यह दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी आज भी देश के सभी राजनीतिक दलों से कहीं अधिक विश्वसनीय और प्रभावशाली है। वे पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि अगले 5 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी देश की जनता के इस विश्वास को पूर्व की तरह बनाए रखेंगे।

जीवन में धर्म के संस्कारों से दुख नहीं सुख की अनुभूति : डॉ. एसपी भारिल्ल

वीतराग विज्ञान शिविर में दी सीख, डीएम हुए सम्मानित

ललितपुर (विश्व परिवार)। जीवन में अनुकूलता का अनुभव करना पुण्य का उदय और प्रतिकूलता का अनुभव करना पाप का उदय है। एक ही परिस्थिति किसी के लिए अच्छी लगती है तो किसी के लिए बुरी हम चाहें तो कोई भी परिस्थिति हमें प्रतिकूलता का वेदन नहीं करा सकती। हम अपनी मान्यताओं से ही सुखी दुखी होते हैं यदि हम सहज रहे तो हमें दुख न हो। कोई वस्तुत अच्छी बुरी नहीं होती हम ही उसमें अच्छे की कल्पना करते हैं।

उक्त विचार वर्णी कान्वेंट प्रांगण में वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर के दौरान मोटिवेशनल प्रवक्ता एसपी भारिल्ल ने व्यक्त करते हुए कहा तुम दुखी हो ही नहीं सकते विषय को लेकर बहुत से टिप्स देकर मोटीवेशन किया उन्होने कहा हमें धर्म के मार्ग पर चलना है तो हम कम से कम प्रतिदिन कम से कम पन्द्रह मिनिट का समय स्वाध्याय के लिए जरूर निकालें। स्वाध्याय के द्वारा ही ज्ञान अर्जित कर सकें। उन्होने कहा परिस्थिति तो परिस्थिति होती है उसमें हमारा कुछ चलता नहीं है उसमें अनुकूलता का अनुभव करना पुण्य का उदय और प्रतिकूलता का अनुभव करना पाप का उदय है। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि जिलाधिकारी डा0 अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक को आयोजन समिति के अध्यक्ष मुन्नालाल जैन अभिलाषा महामंत्री सुरेंश जैन बानपुर ने सम्मानित किया। इस मौके पर प्रमुंख रूप से जैन पंचायत के अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, सनत जैन खजुरिया, अक्षय अलया, डा0राजकुमार जैन, सतीश जेन नजा, अजय बरया, महेन्द्र मडवैया, शैलेन्द्र जैन एड आदि मौजूद रहे। दिगम्बर जैन स्वाध्याय मण्डल एवं वीतराग विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में इन दिनों बालक वालिकाओं एवं युवाओं को जैन धर्म के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान कराया जा रहा है।

शिविर में ख्यातिप्राप्त विद्वानों द्वारा व्याखानमालाओं एवं प्रो-सजय कक्षाओं द्वारा श्रावकों को धर्म के महत्व एवं आत्मा के स्वरूप का बोध कराया जा रहा है जिससे बच्चों को धार्मिक शिक्षा देकर संस्कारवान वनाया जा सके। शिविर की व्यवस्थाओं को विवेक जैन अभिलाषा, अनुराग जैन सुशान्त जैन गोल्डी, प्रित्यंकर शास्त्री, नितिन जैन सीमांत लोहिया, अंकित कठरया, अमिताभ जैनिथ, राहुल जैन, शिक्षक पुष्पेन्द्र जैन संजय जैन आदि का योगदान मिल रहा है।

जिनआराधना प्रभावना के लिए आज होगे पवित्र शास्त्री सम्मानित : सर्वोदय अहिंसा द्वारा कलजयी विद्वान हेतु जिनवाणी के अध्ययन एवं जिन श्रुत सेवा में अपने समग्र जीवन को समर्पित कर जिन शासन की प्रभावना में निस्वार्थ रूप से योगदान देने एवं सतत सदप्रभावना एवं जिन आराधाना में जीवन समर्पित करने की भावना से पुरूष्कार पवित्र जैन शास्त्री आगरा को वीतराग विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में आज 8 जून को रात्रि 9 बजे विद्वत समुदाय की मौजूदगी में प्रदान किया जाएगा। -**अक्षय अलया**

निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण के बच्चों ने अपने घरों में लगाए चंदन के पौधे

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने फरसगांव में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

कोण्डागांव। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ब्लॉक फरसगाँव के द्वारा वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिला इकाई कोंडागांव के तत्वधान में संचालित निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण ब्लॉक फरसगांव में भाग ले रहे प्रशिक्षणार्थियों और पूर्व सैनिको के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर उड़ान एक नयी पहल, एक नई सोच, प्रकृति के बचाव के लिए शुरूआत किया गया। फरसगांव ब्लॉक में निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण में भाग ले रहे प्रत्येक बच्चों के घर में 2 चंदन का पौधा के साथ अन्य पौधा वितरण कर पौधारोपण किया गया साथ ही आदर्श स्कूल मैदान मे निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा हैं। उस मैदान के चारो तरफ भी पौधा रोपण किया गया। पूर्व संभागीय छग ग्रामीण बैंक मैनेजर राम कुमार पात्र व उनकी पत्नी रमिता पात्र के द्वारा चंदन का पौधा और अन्य पौधे प्रदान किए गये स इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ब्लॉक फरसगांव के ब्लॉक सचिव रिकेश कुमार कुंवर, पूर्व सैनिक पीला राम मरकाम, सेवारत सैनिक कमलेश कुमार, बस्तर फाइटर जवान राजेश पांडे, सनत मरकाम, समाज सेवी विदेश प्रधान, नरेश पुरोहित, गरीब साय मरकाम और निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण ले रहे 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहें।

किरंदुल के विभिन्न स्थानों में महिलाओं द्वारा मनाया गया बट सावित्री व्रत

किरंदुल। किरंदुल के विभिन्न स्थान जैसे जगन्नाथ मंदिर, गजराज कैम्प, बंगाली कैम्प, धरमपुर कैम्प में गुरुवार को बट सावित्री व्रत का पालन किया गया। गौरतलब हैं प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या को बट सावित्री व्रत मनाया जाता हैं। बता दें किरंदुल में महिलाओं ने वट वृक्षों की पूजा अर्चना कर अपने पति के लिए लंबी आयु की कामना किये। राघव मंदिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल ने बताया हिंदू धर्म में वट वृक्ष की पूजा और परिक्रमा का विधान है, महिलाएं अपने पति की दीघार्यु के लिए विशेष पूजा करती हैं।

एनएमडीसी, बचेली परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

बचेली। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस-2024, बैलाडीला लौह अयस्क खान, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा हर्ष एवं उल्लास से मनाया गया।

संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा घोषित विषय 'भूमि का पुर्नोद्धार, मरुस्थलीकरण और सुखे से निपटने की शक्ति' पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम जैसे वृक्षारोपण, निबंध लेखन, नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा जूट थैलों का वितरण आयोजित किये गये। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा वृक्षारोपण किया गया जिसके उपरान्त डी.पी. शेट्टी, एस.एम. जगदीश्वर, जे.सी.दास, जागेश्वर प्रसाद, देबाशीष पॉल एवं अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा संपन्न किया गया। जिसके उपरान्त बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलायी गयी। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित सभी सम्मान्नीय अधिकारी एवं युनियन प्रतिनिधी द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर संबोधन दिया गया। बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स द्वारा प्लास्टिक वेस्ट को कम करने हेतु जुट थैला का वितरण करने का निश्चय किया गया है। जिसका शुभारंभ बी. वेंकटेश्वरलु अधिशासी निदेशक द्वारा सभी विभागाध्यक्षो एवं युनियन प्रतिनिधियों को जुट थैला प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में आगे विजेताओं को बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। अंत में अंशुमान त्रिपाठी, सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

शिवांश मेडिकोज का ड्रग लाइसेंस सात दिन के लिए निलंबित

कोण्डागांव। औषधि प्रशासन विभाग द्वारा कोंडागांव शहर में संचालित शिवांस मेडिकोज का औषधि लायसेंस 7 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। निरीक्षण के दौरान शेड्यूल एच 1 एवं अन्य दवाईयों के खरीदी-बिकी दस्तावेजों का जॉच किया गया, जांच में औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन सामाग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत् अनियमितताएं पायी गई थी, जिसके लिये फर्म के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया था। जवाब संतोषप्रद न होने पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी ने इस कृत्य को गंभीर लापरवाही मानते हुए फर्म शिवांस मेडिकोज का ड्रग लायसेंस 7 दिवस के लिए निलंबित किया है। वहीं अन्य जांच में आशीष मेडिकल स्टोर लंजोड़ा से दवाईयों की गुणवत्ता जांच के लिये संदेह के आधार पर सिपरोली 500 नामक दवाई को राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जांच की यह कार्यवाही 4 जून को की गई थी। खाद्य और औषधि प्रशासन के द्वारा दवाईयों की गुणवत्ता जांच एवं कय विक्रय दस्तावेजों के नियमानुसार संधारण हेतु मेडिकल स्टोर में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार एवं उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ आर के सिंह के मार्गदर्शन में औषधि विभाग द्वारा जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शेड्यूल एच 1 एवं नार्कोटिक दवाईयों के खरीदी-बिकी दस्तावेजों का जॉच किया गया। सभी मेडिकल स्टोर के संचालकों को आवश्यक दस्तावेजों का नियमानुसार संधारण करने एवं दवाईयों को उचित तापमान में रखने हेतु निर्देशित किया गया। औषधि निरीक्षक सुखचौन सिंह धुर्वे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में संचालित सभी मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण के दौरान समय-समय पर दवाईयों के गुणवत्ता जॉच हेतु औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा जाता है, औषधि विभाग द्वारा सभी मेडिकल संचालकों को दवाईयों से संबंधित समस्त दस्तावेजों को नियमानुसार संधारित करने एवं मानक दवाईयों की ही बिक्री करने के निर्देश दिये गये है, साथ ही दवाईयों के कय-विक्रय दस्तावेजों एवं शेड्यूल एच 1 रजिस्टर का नियमानुसार संधारण एवं नार्कोटिक दवाई, एमटीपी किट जैसे दवाईयों को पंजीकृत डॉक्टर के प्रिस्कीप्सन के बिना विक्रय न किये जाने के निर्देश दिये गए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने प्रार्थियों को लौटाए 45 लाख के गुम मोबाइल

कोण्डागांव। पुलिस द्वारा विगत 6 माह में 400 से अधिक गुम हुए मोबाइलों को खोजकर उनके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाया गया है। जिले में साइबर सेल तथा थाना, चौकी को गुम मोबाइलों के संबंध में लगातार आवेदन प्राप्त हो रहा है। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय द्वारा साइबर सेल की टीम को उनके दैनिक कार्यो के साथ गुम हुए मोबाइलों के खोजबीन की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई। एडिशनल एसपी रूपेश डांडे और नोडल अधिकारी सायबर सेल सतीश कुमार भार्गव के मार्गदर्शन में साइबर सेल टीम द्वारा लगातार गुम, चोरी की पतासाजी में लगे हुए हैं जिससे विगत 20 दिनों में साइबर सेल की टीम को 230 गुम हुए मोबाइलों को रिकवर करने में सफलता मिली हैं जिसका वर्तमान बाजार मूल्य करीब लगभग 45 लाख रुपए है। सायबर सेल द्वारा रिकवर किए गए मोबाइल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के अलावा सीमावर्ती राज्यों से रिकवर किया गया है। रिकवर किए गए मोबाइलों में कई महंगे सेट वनप्लस, वीवो, रेडमी, सैमसंग, रियलमी, के महंगे सेट भी हैं। मोबाइल लौटाते हुए उनके मलिकों को मोबाइल संभाल कर रखने और दोबारा नहीं गुमने कहा गया और मोबाइल उपयोग के पूर्व उन्हें एक बार फार्मेट कर उपयोग करने की सलाह दिए हैं। कई मोबाइल स्वामी ने बताया कि, वे अपने मोबाइल वापसी की उम्मीद खो चुके थे, वे उन्हें दोबारा पाकर कोंडागांव पुलिस को धन्यवाद दिया जा रहा हैं। गुम हुए मोबाइलों को ट्रेस करने और रिकव्हर करने हेतु कोंडागांव साइबर सेल द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। साइबर सेल की टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के महत्वपूर्ण दिशा निर्देशन पर विगत 6 माह में 400 से अधिक गुम हुए मोबाइलों को खोजकर उनके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाया गया है। जिन्हें भी अन्य किसी का मोबाइल प्राप्त होता हैं उसे नजदीकी थाने में जमा करें, दूसरों की मोबाइल का गलत उपयोग ना करें, कभी भी बगैर बिल के मोबाइल ना खरीदें।

नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों पर आरटीओ विभाग ने कसा नकेल

कोण्डागांव। नियमों की अनदेखी करते हुए मुसाफिरों की जान से खिलवाड़ करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में टोल प्लाजा के पास वाहनों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान अलग-अलग वाहनों से अलग-अलग नियमों की अवहेलना के चलते 9 हजार 500 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई है।जानकारी अनुसार क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (डीटीओ) अतुल असैय्या द्वारा मालवाहक वाहनों में सवारियों के परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। इसके तहत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी व यातायात विभाग ने कार्यवाही की। इसके तहत मालवाहक वाहनों को रोककर उनकी जांच की गई। जांच में 4 मालवाहक गाड़ियों में सवारियों का परिवहन करते पाए जाने पर उनपर 9 हजार 500 रुपये का चालान करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही गाड़ियों के अन्य दस्तावेजों एवं वाहन की फिटनेस की जांच करते हुए गाड़ी मालिकों को समझाइश दी गई और सभी से अपील की गई हैं कि, वाहनों में लोगों की सुरक्षा हेतु लोगों की ओवरलोडिंग न करें और केवल सवारी वाहनों में ही यात्रियों का परिवहन करें। इस संबंध में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि, दुर्घटनाओं से लोगों को बचाने के लिए वाहनों की फिटनेस जांच के साथ मालवाहक वाहनों में सवारी परिवहन की जांच हेतु अभियान लगातार चलाते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

केंद्रीय विद्यालय किरन्दुल में पर्यावरण दिवस का किया गया आयोजन

किरंदुल। केंद्रीय विद्यालय किरंदुल में 05 जून से 12 जून तक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।इस शिविर के अंतर्गत बुधवार 05 जून को प्राचार्य बलजिंदर सिंह एवं जगदीश नारायण के नेतृत्व में सभी शिक्षकों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित करने एवं उन्हें पानी देने का कार्य सौंपा गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए एवं उनकी सिंचाई की।इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से संबंधित अच्छी आदतों को अपनाने पर भी चर्चा की गई, जैसे स्वस्थ और पोषक आहार खाना, हाथों को अच्छी तरह से धोना इत्यादि। स्वस्थ रहने के लिए विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के योगासनों का प्रदर्शन भी किया।पूरा कार्यक्रम सफल रहा और विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

शीतला माता मंदिर में नवनिर्मित भवन का एनएमडीसी सीजीएम ने किया लोकार्पण

किरंदुल। किरंदुल फुटबॉल ग्राउंड टाईप श्री स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण बुधवार शाम एनएमडीसी मुख्य महाप्रबंधक पद्मनाभ नाईक के करकमलों से किया गया।इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा रखी गई थी।जिसमें परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक पद्मनाभ नाईक, उपमहाप्रबंधक (कार्मिक) बी के माधव, महाप्रबंधक (उत्पादन) आर राजाकुमार, महाप्रबंधक (खनन) एस के कोचर, एस के बंसोड़ (सिविल) सपत्नीक इस हवन पूजा में शामिल हुए। तत्पश्चात मुख्य महाप्रबंधक ने रिबन काट कर नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया।साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शीतला माता मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवम मातृशक्तियों द्वारा मंदिर परिसर में ही विभिन्न प्रकार के फूल पौधों के रोपण का आयोजन किया।जिसमें सभी अतिथियों द्वारा एक - एक पौधा लगाया गया। इस मंच में मुख्य अतिथि के करकमलों से एनएमडीसी परियोजना से सेवानिवृत्त समिति को सदस्य साथियो को शॉल दे कर सम्मानित भी किया गया।अंत में प्रसाद वितरण किया गया।इस दौरान श्रमिक संघ एसकेएमएस के सचिव राजेश संधू, अध्यक्ष देवरायलु, रोशन मिश्रा,इंटक के देवनारायण,ओम साहू, एस टीएससी कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष बी एल तारम, रामादीन पटेल, दिनेश साहू,पार्षद ईला पटेल, दिलीप गायकवाड़, नागेश एवम मातृशक्तियां उपस्थित थे।

पर्यावरण दिवस पर पालिका अध्यक्ष पूजा साव के साथ पार्षद और वार्डवासी ने किया वृक्षारोपण

बचेली। बचेली के वार्ड नंबर 10 में स्थित पालिका परिषद द्वारा निमार्णाधीन पार्क के अंदर पूजा साव के नेतृत्व में पर्यावरण दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमे पार्षद फिरोज नवाब, रीना दुर्गा, अप्पू कुंजाम, अर्चना उइके, ब्रह्मा सुननी, बिन्नी के साथ साथ वार्ड वासी भी सम्मिलित हुए जिसमे निलेश पटले, आनंद मौर्य, सम्मद्दार जी खुशी कुंडू शालू सपना अलका समाद्दार लोगो ने भी वृक्षारोपण किया इसमें विशेष रूप जनसेवक पार्षद फिरोज नवाब ने कहा की पौधा लगाना आसान पर पौधे का देखभाल करना ज्यादा महत्वपूर्ण है और हमे वृक्ष लगाना महत्वपूर्ण हो सकता है परंतु वृक्ष को बचाना ये ज्यादा महत्वपूर्ण है चूंकि पार्क निमार्णाधीन है इसलिए वार्ड पार्षद और पालिका अध्यक्ष पूजा साव ने आश्वासन दिया है की इन सभी पौधो को पार्क में लगे कर्मचारी द्वारा लगातार सेवापनी के साथ साथ पूरी देखभाल जिम्मेदारी से करेगे क्योंकि पार्क में लगातार कार्य होता रहेगा और भविष्य में कर्मचारियों की नियुक्ति भी होगी तो पार्क पर्यावरण युक्त होगा और वृक्षों का पूरा सरंक्षण कर पर्यावरण को बचाना हमारा दायित्व बनता है।

झीलों की नगरी उदयपुर से लगभग 80 किलोमीटर झाडौल तहसील में आवारगढ़ की पहाडियों पर शिवजी का एक प्राचीन मंदिर स्थित है जो की कमलनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। पुराणों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना स्वंय लंकापति रावण ने की थी। यही वह स्थान है जहां रावण ने अपना शीश भगवान शिव को अग्निकुंड में समर्पित कर दिया था जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव नें रावण की नाभि में अमृत कुण्ड स्थापित किया था। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है की यहां भगवान शिव से पहले रावण की पूजा की जाती है क्योकि मान्यता है की शिव से पहले यदि रावण की पूजा नहीं की जाए तो सारी पूजा व्यर्थ जाती है।

कमलनाथ महादेव

यहां शिव से पहले की जाती है रावण की पूजा

पुराणो में वर्णित कमलनाथ महादेव की कथा-

एक बार लंकापति रावण भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचे और तपस्या करने लगे, उसके कठोर तप से प्रसन्न हो भगवान शिव ने रावण से वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से लंका चलने का वरदान मांग डाला। भगवान शिव लिंग के रूप में उसके साथ जाने को तैयार हो गए, उन्होंने रावण को एक शिव लिंग दिया और यह शर्त रखी कि यदि लंका पहुंचने से पहले तुमने शिव लिंग को धरती पर कहीं भी रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। कैलाश पर्वत से लंका का रास्ता काफी लम्बा था, रास्ते में रावण को थकावट महसूस हुई और वह आराम करने के लिए एक स्थान पर रुक गया। और ना चाहते हुए भी शिव लिंग को धरती पर रखना पड़ा।

आराम करने के बाद रावण ने शिव लिंग उठाना चाहा लेकिन वह टस से मस ना हुआ, तब रावण को अपनी गलती का एहसास हुआ और पश्चाताप करने के लिए वह वहीं पर पुनः तपस्या करने लगे। वो दिन में एक बार भगवान शिव का सौ कमल के फूलों के साथ पूजन करते थे। ऐसा करते-करते रावण को साढ़े बारह साल बीत गए। उधर जब ब्रह्मा जी को लगा कि रावण की तपस्या सफल होने वाली है तो उन्होंने उसकी तपस्या विफल करने के उद्देश्य से एक दिन पूजा के वक्त एक कमल का पुष्प चुरा लिया। उधर जब पूजा करते वक्त एक पुष्प कम पड़ा तो रावण ने अपना एक शीश काटकर भगवान शिव को अग्नि कुण्ड में समर्पित कर दिया। भगवान शिव रावण की इस कठोर भक्ति से फिर प्रसन्न हुए और वरदान स्वरुप उसकी नाभि में अमृत कुण्ड की स्थापना कर दी। साथ ही इस स्थान को कमलनाथ महादेव के नाम से घोषित कर दिया।

पहाड़ी पर मंदिर तक जाने के लिए आप नीचे स्थित शनि महाराज के मंदिर तक तो अपना साधन लेके जा सकते है पर आगे का 2

किलोमीटर का सफर पैदल ही पूरा करना पड़ता है। इसी जगह पर भगवान राम ने भी अपने वनवास का कुछ समय बिताया था।

ऐतिहासिक महत्व भी है आवरगढ़ की पहाडियों का-

झालौड़ झाला राजाओ की जागीर था। इसी झालौड़ से 15 किलोमीटर की दुरी पर आवरगढ़ की पहाडियों पर एक किला आज भी मौजूद है इसे महाराण प्रताप के दादा के दादा महाराणा ने बनवाया था यह अवारगढ़ के किले के प्रसिद्ध है। जब मुग़ल शासक अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया था, तब आवरगढ़ का किला ही चित्तौड़ की सेनाओं के लिए सुरक्षित स्थान था। सन 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के मध्य हल्दी घाटी का संग्राम हुआ था। हल्दी घाटी के समर में घायल सैनिकों को आवरगढ़ के इसी किले में उपचार के लिए लाया जाता था। इसी हल्दीघाटी के युद्ध में महान झाला वीर मान सिंह ने अपना बलिदान देकर महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे।

झालौड़ में सर्वप्रथम यही होता है होलिका दहन-

हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात झाडौल जागीर में स्थित पहाड़ी पर जहाँ आवरगढ़ का किला स्थित है, वहीँ पर सन 1577 में महाराणा प्रताप ने होली जलाई थी। उसी समय से समस्त झालौड़ में सर्वप्रथम इसी जगह होलिका दहन होता है। आज भी प्रतिवर्ष महाराण प्रताप के अनुयायी झालौड़ के लोग होली के अवसर पर पहाड़ी पर एकत्र होते है जहाँ कमलनाथ महादेव मंदिर के पुजारी होलिका दहन करते है।

इसके बाद ही समस्त झालौड़ क्षेत्र में होलिका दहन किया जाता है। झाडौल के लोगों की होली देश के अन्य लोगों को प्रेरणा देती है, कि कैसे हम अपने त्यौहारों को मानते हुए अपने देश के गौरवशाली अतीत को याद रख सकते हैं।

आखिर क्यों शिव और शक्ति से जुड़े हैं सभी शक्तिपीठ मंदिर ?

भारत में आदिशक्ति के कुल 51 शक्तिपीठ हैं। सभी शक्तिपीठ मंदिर शिव और शक्ति से जुड़े हुऐ हैं। कहा जाता है कि माता सती ने जब अपने शरीर को अग्नि में भस्म कर दिया था भगवान शिव उनके मृतक शरीर को कंधे पर उठा कर अलग-अलग स्थानों पर गए जहां जहां माता सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई जिनमें से एक है माता चिंतपूर्णी शक्तिपीठ। कहा जाता है कि यहां पर माता सती के चरण गिरे इसलिए इस जगह को माता चिंतपूर्णी या छिन्नमस्तिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सोला सिग्ही श्रेणी की पहाड़ी पर है।

चिंतपूर्णी चालीसा में लिखा है की माता चिंतपूर्णी चार शिवलिंग में घिरी हुई हैं जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। इन में से एक मंदिर शिववाड़ी जो गग्रेट के पास है बहुत प्रसिद्ध है दूसरा मंदिर कालेश्वर धाम जोकि अम्ब में पड़ता है। सतलुज दरिया बनने के समय यह दो मंदिर अलोप हो गए थे। जोकि बहुत खोज करने के उपरांत मिले।

तीसरा मंदिर जिसकी लोगों को जानकारी नहीं है। वो मंदिर है नारायण देव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डेरा चौंक से हरिपुर रोड पर बीस किलोमीटर की दूरी पर कासब मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जोकि असल में नारायण देव ही है। चौथा मंदिर मचकूंद महादेव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डल्यिरा चौंक से बाएं होकर आगे एक कीलोमीटर दूरी पर पुली आती है पुली से बाएं हाथ होकर पांच कीलोमीटर की दूरी पर मचकूंद महादेव मंदिर आएगा। मान्यता है कि जो भक्त इन चारों मंदिरों के दर्शन करने के उपरांत माता चिंतपूर्णी के दर्शन करेगा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित ये मंदिर बेहद ही खूबसूरत हैं। हसीन वादियों के बीच समुद्र स्तर से ऊपर 940 मीटर (लगभग 3000 फीट) की ऊंचाई पर चिंतपूर्णी मंदिर स्थित है। मंदिर ऊना जिले के हिल स्टेशन भरवाई से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचने के लिए पंजाब के होशियारपुर शहर से बसें मिल जाती हैं। पंजाब के होशियारपुर रेलवे स्टेशन से 36 मील की दूरी पर है। वैसे यहां पठानकोट जोगिंदर नगर रेल मार्ग से पहुंचा जा सकता है। निकटम रेलवे स्टेशन ज्वालामुखी रोड है जो यहां से 21 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर में क्यों बजाई जाती है घंटी ?

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुरातन काल से ही घंटी अथवा घड़ियाल लगाने की परंपरा है। मान्यता है की जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज यथाक्रम आती रहती है, वहां का परिवेश हमेशा साफ-सुथरा, धार्मिक और पावन बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियों पर प्रतिबंध लग जाता है और सकारात्मकता के द्वार खुल जाते हैं। सुख समृद्धि के रास्ते प्रशस्त होते हैं।

स्कंद पुराण के मतानुसार मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने से सौ जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। जब सृष्टि का आरंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी या घड़ियाल की ध्वनि से वही नाद निकलता है। इसी नाद को ओंकार के पदाघात से भी जाग्रत हुआ माना जाता है। सर्वप्रथम धार्मिक स्थानों में घंटी लगाने का आरंभ जैन और हिन्दू मंदिरों से हुआ तत्पश्चात बौद्ध धर्म और फिर ईसाई धर्म ने इस परंपरा को अपनाया।

मंदिरों में घंटी लगाए जाने के पीछे धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी हैं। घंटी बजाने पर वातावरण में कंपन उत्पन्न होती है। जोकि काफी दूर तक जाती है। इस कंपन से उत्पन्न होने वाली ध्वनि संपूर्ण क्षेत्र में आने वाले जीवाणु, विषाणु और सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है जिससे आसपास का वायुमंडल सात्विक हो जाता है।

जिन धार्मिक स्थानों में प्रतिदिन घंटी बजती है उन्हें जाग्रत देव मंदिर कहा जाता है। देवताओं को जागृत करने का माध्यम है घंटाध्वनि। प्रवेश द्वार के घंटे दर्शनार्थीयों को सूचना देते हैं कि पूजा-आरती का समय हो गया है।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर घंटी बजाने से भगवान का आशीर्वाद और लक्ष्मी की प्राप्ती होती है। अतः घर में देवालय बनाएं तो घंटी अवश्य लगवाएं मंदिरों में, घरों में, पूजा पाठ, प्रवचन में घंटानाद होते रहना चाहिए ताकि चारों ओर शुभता का संचार होता रहे।

पूजा-पाठ

किए बिना भी किया जा सकता है दुखों का नाश

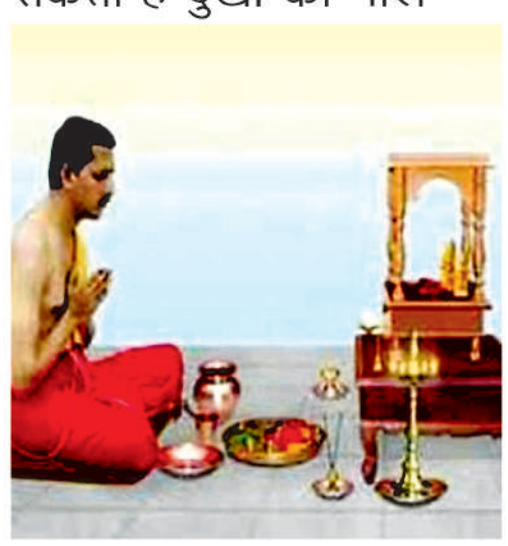

देव पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों मे मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें।

पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में यदि आपके पास पाठ-पूजा का अधिक समय नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा है तो निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमाओं का दर्शन करें। इस मंत्र का जाप आपकी सभी प्रकार के दुखों से रक्षा करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्।।

अर्थात- समस्त जन सुखी हों, स्वस्थ हों, शुभ व मंगल को देखें और कोई भी दुःख का सामना न करें।

ध्यान रखें कि आपसे किसी का अहित न हो और आप सभी अधार्मिक कृत्यों से खुद को दूर रखें।

दैनिक
विश्व परिवार महानगर
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 08 जून 2024

नगर पालिक निगम रायपुर में 10 जून को एमआईसी की बैठक आहुत

रायपुर (विसं)। नगर पालिक निगम रायपुर के सचिवालय द्वारा महापौर श्री एजाज ढेबर के आदेशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर की मेयर इन काउंसिल एमआईसी की बैठक दिनांक 10 जून 2024 सोमवार को दोपहर 12 बजे महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में आहुत की है। उक्त जानकारी नगर पालिक निगम के अपर आयुक्त एवं सचिव श्री विनोद पाण्डेय ने दी है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू से राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने की सौजन्य भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य मुलाकात की। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने उन्हें भगवान जगन्नाथ का प्रसाद और खंडुआ वस्त्र भेंट किया।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव 441 सीटों में लड़े और 240 सीटों में जीत हासिल की : शिवरतन शर्मा

चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक ने बताया- भाजपा का जीत का प्रतिशत 50 प्रतिशत रहा, लोकसभा चुनाव में हमें 68 विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, सह संयोजक एवं जिला अध्यक्षों की आवश्यक बैठक आहूत की गई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक शिवरतन शर्मा ने चुनाव प्रबंधन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को लोकसभा चुनाव में शानदार सफलता के लिए बधाई दी। भाजपा ने संपन्न हुए लोकसभा चुनाव 441 सीटों में चुनाव लड़े और 240 सीटों में जीत हासिल किया अर्थात भाजपा का जीत का प्रतिशत 50 प्रतिशत रहा। श्री शर्मा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व द्वारा दिया गया लक्ष्य लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्राप्त किया है। हमें 51 प्रतिशत वोट पाने का लक्ष्य दिया गया था और आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से हमने छत्तीसगढ़ में 52.5 प्रतिशत वोट प्राप्त किया यानी कि विधानसभा चुनाव से 6 प्रतिशत ज्यादा वोट भाजपा को प्राप्त हुआ। श्री शर्मा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें प्राप्त हुई हैं और अब 10 निर्दलीय सांसदों ने भी अपना समर्थन देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को मजबूत करने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी आज 99 सीटों में ही सिमटकर रह गई है। भाजपा का जीत का प्रतिशत कांग्रेस पार्टी से 11त्न से ज्यादा रहा।

चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश संयोजक श्री शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में जातिवाद कहीं भी नहीं दिखा। यह चुनाव जातिवाद के बजाय राष्ट्रवाद प्रमुख विषय रहा। भाजपा से कोई समाज दूर नहीं रहा। सभी समाज के लोगों ने हमें भरपूर समर्थन दिया है। हमने 2023 के विधानसभा चुनाव में 54 सीटों पर जीत हासिल की और संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हमें 68 विधानसभा क्षेत्र में बढ़त मिली है। कांग्रेस केवल 22 विधानसभा सीटों में बढ़त बना पाई है। छत्तीसगढ़ में भाजपा चौथी बार 11 सीटों में हुए चुनाव में 10 सीटों में जीत हासिल की है। ठीक इसी तरह हमें निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में भी जीत हासिल करना है और सफलता को फिर से दोहराना है।

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को अर्जित सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा है कि आप सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने चुनाव में जो अनथक परिश्रम किया है, यह सब उसी का प्रतिफल है। आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से हम सब एक बार फिर देश में एनडीए की सरकार बनाने में सफल हुए हैं। श्री जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए देश विरोधी ताकतों ने तो जी-तोड़ कोशिशें खूब की लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम के आगे वे ताकतें सफल नहीं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर देश तेजी से विकास करेगा और एनडीए की मजबूत सरकार देश को विकसित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी और हम अगले चुनाव में दो तिहाई बहुमत से जीतेंगे। श्री जम्वाल शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्षों, लोकसभा प्रभारियों, विधानसभा प्रभारियों और विस्तारकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के लिए सबको बधाई दी और चुनाव के दौरान किए गए कार्यों की जानकारी ली। साथ ही आगामी कार्य योजना के बारे में भी चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश भाजपा महामंत्री भरत वर्मा एवं आभार प्रदर्शन प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सरला कोसरिया ने किया। इस दौरान बैठक में चुनाव प्रबंधन समिति के सह संयोजक भूपेंद्र सव्वनी, बस्तर क्लस्टर प्रभारी अजय चंद्राकर रायपुर क्लस्टर प्रभारी राजेश मूणत, बिलासपुर क्लस्टर प्रभारी अमर अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता नारायण चंदेल, प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, गुरु खुशवंत साहेब, सभी लोकसभा के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक एवं सभी जिलों की जिला अध्यक्ष मौजूद रहे।

विद्युत कर्मियों को 'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफ इलेक्टिव लिविंग' के सिखाए गए गुर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के सेवाभवन में विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के संतुलन से संपूर्ण स्वास्थ्य के विकास हेतु 'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफ इलेक्टिव लिविंग' पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय, हैदराबाद से आई मोटिवेशनल स्पीकर ब्रम्हाकुमारी राधिका दीदी द्वारा व्याख्यान दिया गया।

इस शिविर में मानव जीवन को सरल व चिंतामुक्त बनाने के 36 मानव मूल्यों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को विशेष परिस्थिति में इन 36 मूल्यों को अपनाने की सलाह दी गई, जिससे मनुष्य को बिना किसी तनाव के जीवनयापन करने में सहायता मिलेगी। उनके द्वारा उनके विभिन्न व्यक्तियों के जीवन संघर्ष की कहानियों का उदाहरण देते हुए बताया कि मानव जीवन जटिल है। जीवन को सरल बनाने, मन की सुख-शांति के लिए सत्संग, भजन व साधना अनिवार्य है। ध्यान योग से बढ़कर कोई योग नहीं है। साधना से ईश्वरीय प्रकाश को अपने मन के भीतर अपनाने से विभिन्न नकारात्मक भावनाओं को धीरे-धीरे दूर किया जा सकता है, जिससे कुछ समय बाद हम जीवन जीने की कला सीख जाते हैं। इस कार्यक्रम को अतिरिक्त महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

रायपुर रेल मंडल में अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस पर वाकाथन का आयोजन

समपार फाटक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 04.06.24 से 10.06.24 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत दिनांक 06.06.24 को अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता दिवस के अवसर पर रायपुर में श्री राजेन्द्र कुमार साहू, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परि.)रायपुर की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से खमतराई फाटक होते हुए पुन: मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक वाकाथन का आयोजन किया गया, जिसमें श्री वी. रवि, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, रायपुर के साथ-साथ रायपुर मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में मंडल के कुल 09 अधिकारियों, 10 सुपरवाइजर, 35 कर्मचारी एवं 25 सिविल डिफेंस वालंटियर सहित कुल लगभग 110 लोगों ने भाग लिया।

वकाथन के दौरान समपार फाटक पार करने वाले लोगों एवं रेलवे फाटक के आसपास की दुकानों तथा मेन रोड पर चलने वाले व्यक्तियों को समपार फाटक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां के बारे में जागरूक कराया गया। जागरुकता अभियान में करीब 350 लोगों को जागरूक कराया गया तथा फाटक बंद रहने पर उसे पर न करने की जानकारी भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर डी सी ए टीम एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक/ परिचालन/ रायपुर ने अपने वक्तव्य में समपार फाटक पार करते समय दुर्घटना से देर भली का नारा बुलंद किया। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री वी. रवि ने कार्यक्रम का समापन करते हुए वाकाथन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संरक्षा अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा भिलाई पावर हाउस, बिल्हा, लखोली स्टेशन, एवं विभिन्नं समपार फाटकों जैसे खमतराई गेट, उरकुरा, मांढर, जिंदल, स्टेडियम, बिल्हा गेट सहित कुल 12 गेट तथा मंदिरहसौद बाजार एवं सेरीखेरी, पिरदा एवं तुलसी गांव में जाकर लोगों को पंपलेट वितरण करके, स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों की काउंसलिंग की गई तथा समपार फाटक को सही तरीके से पार करने एवं इससे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी 64 अधिकारी एवं सुपरवाइजर तथा 25 सिविल डिफेंस वालंटियर एवं कर्मचारी के द्वारा दी गई एवं 672 पामपलेट वितरण करके कुल लगभग 1325 लोगों की काउंसिलिंग की गई। इस अवसर पर रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में ऑडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संरक्षा विभाग के संरक्षा सलाहकारों तथा कर्मचारियों के द्वारा कडी मेहनत की गई।

विष्णु के सुशासन में रिपोर्ट नहीं, रिजल्ट चाहिए: श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री ने मैराथन बैठक लेकर की समीक्षा , आचार संहिता खत्म होते ही छत्तीसगढ़ में सरकार का काम शुरू

सुपेबेड़ा में खुलेगा डायलिसिस सेंटर, माडल नेफ्रोलाजी सेंटर खोलने की अनुशंसा

समीक्षा बैठक में दवाइयों की उपलब्धता और एनीमिया की दवाइयों के सैंपल के रैंडम जांच पर हुई चर्चा

एनीमिया की दवाइयों के सैम्पल की करें रैंडम जांच : स्वास्थ्य मंत्री

राज्य के अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता की चर्चा करते हुए श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही श्री जायसवाल ने विभाग को निर्देशित किया है कि एनीमिया की बीमारी को ठीक करने के लिए उपलब्ध दवाइयों के सैंपल की अलग-अलग लेबोरेट्री में रैंडम जांच की जाए ताकि इस जरूरी दवा की गुणवत्ता को जांचा परखा जा सके।

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक लेकर विभाग के कामकाज की समीक्षा की। श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है और सभी मेडिकल कालेज तथा जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। श्री जायसवाल ने अधिकारियों को कहा है कि विष्णु के सुशासन में उन्हें रिपोर्ट नहीं बल्कि रिजल्ट चाहिए ताकि राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं निरंतर मिलती रहें।

श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य मे स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए ये आवश्यक नहीं है कि बजट की उपलब्धता रहे, बल्कि आवश्यक ये है कि मजबूत इच्छाशक्ति हो, हमें ऐसा काम करना है जिससे लोगों के मन में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सकारात्मक भाव आए।

स्वास्थ्य मंत्री ने मलेरिया और सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों के बारे में बात करते हुए कहा है कि इसको लेकर समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। इसके लिए जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का संक्रेंद्रण ज्यादा है वहां ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार कर लोगों को इनसे बचने के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समीक्षा बैठक में विभागीय बजट का आंकलन करते हुए उसे अनुपूरक बजट में शामिल करने के प्रस्ताव पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। इसके साथ ही नियमित बजट में पारित कार्यो की भी समीक्षा की।

श्री जायसवास ने विभागीय समीक्षा बैठक में चिकित्सकों एवं निचले स्टाफ की पदस्थापना को लेकर चर्चा की और रिक्त पदों को जल्द से जल्द व्यापम एवं पीएससी के माध्यम से भरे जाने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने सुपेबेड़ा में किडनी की बीमारी को ध्यान मे रखते हुए वहां एक अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर खोलने की अनुशंसा की है। सुपेबेड़ा में बीमार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने और बीमारी के कारणों का पता लगाने के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने सुपेबेड़ा में उत्कृष्ट डायलिसिस सेंटर खोलने की अनुशसा की है ताकि वहां के मरीजों को त्वरित लाभ मिल सके। साथ ही राज्य भर के किडनी के मरीजो के बेहतर इलाज के लिए राज्य में एक माडल नेफ्रोलाजी सेंटर खोलने की भी अनुशंसा की है।

समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार, एनएचएम के एमडी जगदीश सोनकर, आयुक्त सह संचालक ऋतुराज रघुवंशी, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि विभाग कुलदीप शर्मा, संचालक आयुष सुश्री इफ्फत आरा आदि समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम बाहपानी सड़क दुर्घटना तथा पिरदा में बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट में मृतकों एवं घायलों को स्वेच्छानुदान से मंजूर की गई राशि

संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नियमों को शिथिल करते हुए स्वेच्छानुदान से डेढ़ करोड़ रूपए से ज्यादा की सहायता राशि मंजूर की

28 मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए तथा 23 घायलों को 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य के संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कबीरधाम जिले के विकासखंड पंडरिया के ग्राम बाहपानी में 20 मई को हुई दु:खद सड़क दुर्घटना एवं बेमेतरा जिले की भिंभौरी तहसील के ग्राम पिरदा में 25 मई को स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मृतकों के परिजनों तथा घायलों सहित 51 अनुदानग्रहिताओं को अपने स्वेच्छानुदान मद से कुल 01 करोड़ 51 लाख 50 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख तथा घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कबीरधाम जिले के ग्राम बाहपानी की सड़क दुर्घटना में 19 मृतकों के परिजनों को 5 लाख रूपए के मान से 95 लाख रूपए तथा इस घटना में 16 घायलों को 50-50 हजार रूपए के मान से कुल 8 लाख रूपए की राशि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा स्वेच्छानुदान मद से मंजूर की गई है।

इसी प्रकार बेमेतरा जिले के ग्राम पिरदा की स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में 25 मई को हुए ब्लास्ट में एक मृतक एवं 8 लापता व्यक्तियों के परिजनों को 5 लाख रूपए के मान से कुल 45 लाख रूपए की आर्थिक सहायता तथा इसी घटना में 7 घायलों को 50 हजार रूपए के मान से कुल 3 लाख 50 हजार रूपए की सहायता राशि की मंजूरी मुख्यमंत्री ने दी है।

मुख्यमंत्री ने कबीरधाम जिले के ग्राम बाहपानी की सड़क दुर्घटना में मृतक श्रीमती प्यारी बाई, कुमारी सोनम बाई धुर्वे, श्रीमती धनैया बाई धुर्वे, सिरदारी राम धुर्वे, कुमारी किरण, श्रीमती शांति बाई, श्रीमती तिको बाई, श्रीमती मीला बाई, श्रीमती जनिया बाई, श्रीमती मुंगिया बाई, श्रीमती झंगलो बाई धुर्वे, श्रीमती सियाबाई, श्रीमती पैंटोरिन बाई मेरावी, श्रीमती बिस्मत बाई मेरवी, श्रीमती लीला बाई, श्रीमती परसदिया देवी, श्रीमती भारती बाई, श्रीमती कुनती बाई, श्रीमती धानबाई धुर्वे के परिजन को 5-5 लाख रूपए की राशि तथा 16 घायलों श्रीमती ममता, श्रीमती मुन्नी बाई, गुलाब सिंह, दयाराम, शिवनाथ, महावीर, कार्तिक, श्रीमती धन्नू, श्रीमती इन्द्राणी, जोधीराम, अनिल, फूलचंद, मानसिंह, श्रीराम, रम्हउ, श्री बजरू को 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि मंजूर की है।

इसी तरह ग्राम पिरदा की स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट में मृतक सेवक राम और 8 लापता व्यक्तियों पुष्पराज देवदास, विजय देवदास, राजू ध्रुव, नीरज ध्रुव, लोकनाथ यादव, शंकर यादव, नरहर यादव, भीष्म साहू के परिजन को 5-5 लाख रूपए की राशि तथा 7 घायलों इन्द्रकुमार रघुवंशी, दिलीप ध्रुव, नीरज यादव, चंदन कुमार, मनोहर यादव, रवि कुर्रे, शेषनाथ निषाद को 50-50 हजार रूपए की सहायता राशि मुख्यमंत्री द्वारा मंजूर की गई है।

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में तीन दिवसीय शिविर 'आओ खोलें खुशियों के द्वार'

प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने कहा- हम खुशी की तलाश में भाग रहे हैं लेकिन पता नहीं कहाँ मिलेगी

जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिए स्वयं की पहचान जरूरी : ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि हम पूरी जिन्दगी खुशी की तलाश में लगे रहते हैं। हम खुशियों के पीछे भाग रहे हैं लेकिन मालूम नहीं है कि खुशी कहॉ और कैसे मिलेगी? इसी उधेड़बुन में सारी जिन्दगी निकल जाती है।

प्रो. बल्देव भाई शर्मा आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर रायपुर में आयोजित आओ खोलें खुशियों के द्वार- राजयोग अनुभूति शिविर के उद्घाटन अवसर पर अपने विचार रख रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मन की मनमानी को रोकना ही ध्यान है। सारा खेल मन का है। आज राधिका दीदी ने शिविर में सबके लिए खुशियों के द्वार खोल दिए हैं। ब्रह्माकुमारी परिवार सम्पूर्ण मानव जाति को प्रेम, सुख और शान्ति से जीने का मार्ग दिखा रहा है। उसी का यह राजयोग शिविर छोटा सा स्वरूप है।

इस अवसर पर हैदराबाद की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने कहा कि राजयोग के लिए स्वयं की पहचान जरूरी है। राजयोग मेडिटेशन से जीवन में स्थायी खुशी प्राप्त की जा सकती है। यदि हम अपने जीवन को चिन्ता रहित, सुख-शान्ति सम्पन्न बनाना चाहते हैं तो यह जानना निहायत जरूरी है कि मैं कौन हूँ?

ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने आगे कहा कि जब हम कहते हैं कि मुझे शान्ति चाहिए? तो यह कौन है जो कहता है कि मुझे शान्ति चाहिए? शरीर शान्ति नही चाहता। शरीर की शान्ति तो मृत्यु है। उन्होने बतलाया कि आत्मा कहती है कि मुझे शान्ति चाहिए। उन्होने आगे कहा कि आत्मा एक चैतन्य शक्ति है। शक्ति को स्थूल नेत्रों से देखा नही जा सकता लेकिन मन और बुद्घि से उसका अनुभव किया जाता है। उसी प्रकार आत्मा के गुणों का अनुभव करके उसकी उपस्थिति का अहसास होता है। आत्मा का स्वरूप अतिसूक्ष्म ज्योतिबिन्दु के समान है। उसे न तो नष्ट कर सकते हैं और न ही उत्पन्न कर सकते हैं। वह अविनाशी है। आत्मा के शरीर से निकल जाने पर न तो शरीर कोई इच्छा करता हैं और न ही किसी तरह का कोई प्रयास करता है।

ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने बतलाया कि आत्मा तीन शक्तियों के द्वारा अपना कार्य करती है। वह किसी भी कार्य को करने से पहले मन के द्वारा विचार करती है, फिर बुद्घि के द्वारा यह निर्णय करती है कि उसके लिए क्या उचित है और क्या अनुचित? तत्पश्चात किसी भी कार्य की बार-बार पुनरावृत्ति करने पर वह उस आत्मा का संस्कार बन जाता है।

उन्होंने आगे बतलाया कि आत्मा की सात मूलभूत विशेषताएं होती हैं- ज्ञान, सुख, शान्ति, आनन्द, पवित्रता, प्रेम, और शक्ति। यह सभी आत्मा के मौलिक गुण हैं, जो कि शान्ति की अवस्था में हमें अनुभव होते हैं। उन्होने कहा कि हमारा मन किसी न किसी व्यक्ति, वस्तु या पदार्थ की स्मृति में भटकता रहता है, अब उसे इन सबसे निकालकर एक परमात्मा की याद में एकाग्र करना है। इसी से आत्मा में आत्मविश्वास और शक्ति आएगी।

शिविर का शुभारम्भ जायसवाल निको कम्पनी के प्रेसीडेन्ट (एच. आर.) दिलीप मोहन्ती, प्रो. बल्देव भाई शर्मा, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, राधिका दीदी और सन्तोष दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया।

शिक्षित एवं दक्ष बेरोजगारों के लिए 10 जून को लगेंगे जॉब फेयर

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से दिनांक 10 जून 2004 को स्थान- रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में 11 बजे से सायं 2 बजे तक जॉब फेयर आयोजित है। जिसके माध्यम से निजी क्षेत्र के श्री माँ आशा आर्गेनिक फारमिंग फाउंडेशन एवं एलक्सर कन्सेल्टेंसी प्रा. लि. मि. द्वारा न्यूनतम 8वी से स्नातक उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती वेटर, टेलिकॉतर, हैल्पर, टेक्निशियन सोलर टेक्निशियन एवं डी. एम.एस / सेल्स एक्झीक्यूटी के 75 से अधिक पदों पर भर्ती की जावेगी। जिसके लिए न्यूनतम 10,000/- से 14,500/- तक वेतनमान निर्धारित है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354